सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जीवन साइकिल चलाने जैसा है,
बैलेंस बनाये रखने के लिए आपको चलते रहना है।

वर्ष 01, अंक 211, नई दिल्ली

शुक्रवार, 13 अक्टूबर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

G20 के बाद दिल्ली में P20, 3 दिन तक किन-किन सड़कों पर रोक? स्टेशन-एयरपोर्ट वाले जल्दी निकलें

संजय बाटला

नई दिल्ली। G 20 के सफल आयोजन के बाद अब दिल्ली में P20 का आयोजन किया गया है। द्वारका के इंडिया-इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर द्वारका में 12-14 अक्टूबर के बीच तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

25 से अधिक देशों से आए स्पीकर और संसदीय प्रतिनिधियों की वजह से ट्रैफिक पुलिस ने रूट में कुछ बदलाव किए हैं। इसको लेकर बुधवार को ट्रैफिक पुलिस ने अडवाइजरी भी जारी की।

ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि द्वारका स्थित यशोभूमि (इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर) में होने जा रहे सम्मेलन में 27 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। इनके रुके की व्यवस्थाव्यवस्था लीला पैलेस होटल, नेताजी नगर, ताज महल होटल, मानसिंह रोड, आईटीसी मौर्य होटल, एसपी मार्ग, ताज पैलेज होटल, रोजेट हाउस होटल, एयरोसिटी, जेडब्ल्यू मेरियट होटल में की गई है। 12 अक्टूबर को सभी प्रतिनिधि सुबह अपने होटल से यशोभूमि के लिए निकलेंगे और शाम को वापस आएंगे। 13 अक्टूबर को भी सुबह होटल से यशोभूमि, देर शाम संसद भवन जाएंगे और फिर होटल लौटेंगे। 14 को भी होटल से यशोभूमि जाएंगे और दोपहर में होटल लौटेंगे। 14 अक्टूबर की शाम से 15 अक्टूबर

तक हवाई अड्डे जाकर अपने देश लौटेंगे।

इन सड़कों पर ट्रैफिक किया जाएगा कंट्रोल

पुलिस ने कहा है कि तीन दिनों तक सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक कुछ सड़कों पर जरूरत के मुताबिक आवाजाही नियंत्रित की जाएगी। हालांकि, आपातकालीन वाहनों की आवाजाही पर किसी तरह की रोक नहीं होगी।

>> जेकेपीओ-अकबर रोड
>> सरदार पटेल मार्ग- धौला कुआं फ्लाईओवर
>> परेड रोड-मेहरम नगर
>> पालम फ्लाईओवपर रोड नंबर 201 सेक्टर-1 तक
>>रोड नंबर 210 यूईआर-2 धुलशिराज चौक तक
>>पंचशील मार्ग- तीन मूर्ति मार्ग
>>उलान बातर रोड एनएच-48 (वाई आकार शंकर विहार के तहत)
द्वारका अप्रोच रोड-पालम फ्लाईओवर
>> रोड नंबर 224, रोड नंबर 210

आम लोगों को क्या-क्या सलाह

ट्रैफिक पुलिस ने लोगों पी20 सम्मेलन के दौरान सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि जिन रास्तों पर ट्रैफिक को कंट्रोल किया गया है वहां जाने से बचें। रेलवे स्टेशनों, अस्पतालों और आईएसबीटी जाने वाले यात्रियों को पर्याप्त समय लेकर निकलना चाहिए। सड़कों पर भीड़ कम करने के लिए लोगों को सार्वजनिक परिवहन के अधिक इस्तेमाल की सलाह दी गई है। वाहनों को निर्धारित पार्किंग में ही पार्क करने को कहा गया है।

स्कूल-दफ्तर बंद नहीं

इससे पहले जी20 सम्मेलन के दौरान दिल्ली में कई सड़कों को बंद रखा गया था। तब दिल्ली में स्कूल और दफ्तर भी बंद कर दिए गए थे। हालांकि, इस बार इस तरह के प्रतिबंध लागू नहीं किए गए हैं। दिल्ली में अन्य सभी गतिविधियां पहले की तरह जारी रहेंगी।

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष
दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm.

	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Font Page Solus
Delhi Aur Delhi	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-
- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- B/W advertisement on page 3/Back will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

प्रयागराज रीजन को मिलेंगी पैनिक बटन से लैस 50 बसें, महिलाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित महसूस करेंगी

परिवहन विशेष न्यूज

खास बात यह है कि आने वाले दिनों में जो भी साधारण श्रेणी की नई बसें बेड़े में शामिल होंगी, उन सभी में पैनिक बटन रहेगा। बताया जा रहा है कि इस वर्ष रोडवेज के बेड़े में 650 बसें शामिल होंगी। इसमें से तकरीबन 50 बसें प्रयागराज रीजन को मिलेंगी।

प्रयागराज। रोडवेज बसों में महिला सुरक्षा को लेकर अनोखी पहल शुरू की गई है। रोडवेज बसों में पैनिक बटन लगाया जाएगा। बस में अगर कोई महिला अपने आप को असुरक्षित महसूस करती है तो पैनिक बटन दबाते ही चंद मिनट में मदद के लिए पुलिस पहुंच जाएगी। इससे महिला यात्री बसों से दूर के सफर में खुद को पहले से ज्यादा सुरक्षित महसूस कर सकेंगी। खास बात यह है कि आने वाले दिनों में जो भी साधारण श्रेणी की नई बसें बेड़े में शामिल होंगी, उन सभी में पैनिक बटन रहेगा। बताया जा रहा है कि इस वर्ष रोडवेज के बेड़े में 650 बसें शामिल होंगी। इसमें से तकरीबन 50 बसें प्रयागराज रीजन को मिलेंगी। इससे महिलाओं की सुरक्षा बढ़ेगी। पैनिक बटन दबाने पर

परिवहन निगम के अफसरों के साथ ही पुलिस को भी सूचना मिल सकेगी। इसके लिए परिवहन निगम मुख्यालय में कमांड सेंटर बनाया जाएगा। जहां 24 घंटे बसों की मॉनिटरिंग की जाएगी। इसके अलावा आने वाली बसों में लाइव ट्रैकिंग डिवाइस भी रहेगी। इसके लग जाने के बाद बसों की ट्रेनों की तर्ज पर ट्रैकिंग की जा सकेगी। बसों का रूट, उनकी लाइव लोकेशन, डिपो, खाली सीटों की संख्या, बस की टाइमिंग, किराया आदि की जानकारी भी यात्रियों को आसानी से मिलेगी। यूपी रोडवेज प्रयागराज रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि अब साधारण श्रेणी की जो बसें मिलेंगी उसमें पैनिक बटन की सुविधा रहेगी। वहीं दूसरी ओर बताया जा रहा है कि निर्भया योजना के अंतर्गत लखनऊ व गाजियाबाद की बसों में लाइव ट्रैकिंग डिवाइस व पैनिक बटन लगाने का काम शुरू भी हो गया है।

1 किमी. तक कैब लूटेरों ने ड्राइवर को घसीटा, मौत लुटेरे मेरठ से गिरफ्तार ,रिक्शे से कैब तक का सफर

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के महिपाल पुर एन एच-8 के नजदीक रोजी की जुगाड में बिहार से दिल्ली आए कैब ड्राइवर बिजेंद्र को सरेआम कैब लूटेरों ने पहले कैब बुक कराई फिर उसे कैब से नीचे धक्का देकर भागने लगे। ड्राइवर बिजेंद्र ने इसका विरोध किया। लूटेरों को पकडने की कोशिश की। लूटेरों ने अपना पल्ला छुडाते हुए वह उसे घसीटते हुए भागने लगे। लूटेरों को आखिरी दम तक दबोचने की कोशिश में ड्राइवर बिजेंद्र करीब 1 किलोमीटर तक सडक पर घसीटा और उसकी जान ले ली। इस पूरी घटना ने कंझावला कांड की याद ताजा कर दी।इस पूरी घटना को एक कार वाले ने मोबाइल पर विडियो बना लिया और वारदात को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल विडियो के सामने आने से पुलिस भी तुरंत हरकत में आई और दोनों लूटेरों सीसीटीवी सर्विलांस की मदद से दोनों को 24घंटे के भीतर मेरठ से दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक

पकडे गए लूटेरों में एक की पहचान आसिफ (24) साल, पुत्र अनवर और दूसरा लुटेरा मेहराज सलमानी(33) साल पुत्र महबूब है। उनसे लूटी गई कैब भी बरामद कर ली है। दोनों पुराने अपराधी बताए गए हैं। मेहराज पर यूपी में 4 और दिल्ली में 2 जबकि आसिफ पर यूपी में 7 और दिल्ली में 2 मामले हैं। पुलिस के मुताबिक आसिफ और मेहराज कैब में साकेत से बतौर पैसेंजर्स बनकर चडे थे। बाद में ड्राइवर बिजेंद्र को कार से धक्का दे दिया। पुलिस ने महिपाल पुर से ड्राइवर के शव को बरामद किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आर्थिक तंगी के चलते बिजेंद्र बिहार से 1996 में दिल्ली आ गया। यहां नई दिल्ली स्टेशन पर साईकल रिक्शा चलाने लगा। इसके बाद ऑटो चलाने लगा। 2001 में शादी की। बिजेंद्र के आज 5 बच्चे हैं। जिनमें तीन बेटियां है।बडी बेटी 20 साल, किरण 17साल, नंदनी 15 साल और 2 बेटेहैं। आलोक-18 साल और आकाश 12 साल है। परिवार में बिजेंद्र ही कमाने वाला था। भाई नरेंद्र के मुताबिक भाई बिजेंद्र 24-24 घंटे कैब चलाता था। वह अपने बच्चों को पढा लिखाकर बडा बनाने का ख्वाब रखता था। वह चाहता था कि मैं तो नहीं पढ सका मगर बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाना चाहता था। विगत 17 अगस्त को उसकी मां का देहांत हो गया था। गांव में भी अभी बहन की जिम्मेदारी थी।

22 करोड़ ड्राइवर के मौलिक अधिकारों को नहीं मानने को लेकर संपूर्ण भारत के राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर अनिश्चित काल के लिए स्टेरिंग छोड़ो हड़ताल

परिवहन विशेष न्यूज

भारत के 22 करोड़ ड्राइवर के मौलिक अधिकारों को भारत सरकार और राज्य सरकारों के नहीं मानने के कारण। संपूर्ण भारत के राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर अनिश्चित काल के लिए, स्टेरिंग छोड़ो हड़ताल के संबंध में।

नई दिल्ली। ऑल ड्राइवर कल्याण संघ द्वारा मीडिया को एक पत्र लिखा गया, जिसमें सुरेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भारत के सभी ड्राइवर से संबंधित संस्थाओं एवं संगठनों से मिलकर एक मीटिंग का आयोजन किया गया था और मिलकर भारत के 22 करोड़ ड्राइवर के हक और मौलिक अधिकारों के लिए मांग पत्र को तैयार किया गया था। सर्व सम्मति से ऑल ड्राइवर कल्याण संघ के माध्यम से मेरे एवं भारत के अन्य राज्यों के पद अधिकारियों के द्वारा केंद्र सरकार एवं 28 राज्यों एवं आठ केंद्र शासित राज्यों माननीय राष्ट्रपति महोदय जी भारत के मुख्य न्यायाधीश महोदय जी को और भारत के सभी उच्च कार्यालय में पत्र द्वारा एवं उनके कार्यालय को सौंपा जा चुका है। इसकी छायाप्रति स्लंगन करते हैं। सरकार का गलत रवैया, सौतेला व्यवहार और उदासीनता के कारण भारत के 22 करोड़ ड्राइवर आहत है, पीड़ित है। भारत के संविधान का उल्लंघन एवं भारत की सर्वोच्च न्याय प्रणाली को ईमानदारी से सुचारू रूप से नहीं चलाने के कारण। भारतीय ड्राइवर समाज के हृदय को छली कर रही है। दर्द और पीड़ा आसहनीय है। इसीलिए ऑल ड्राइवर कल्याण संघ जनकल्याण के लिए इनकी अभिव्यक्ति की आजादी के लिए और ड्राइवर के मौलिक अधिकारों मानवाधिकारों के लिए लगातार पिछले 10 सालों से संघर्ष कर रहा है। भारत सरकार राज्य सरकार के द्वारा भारतीय ड्राइवर के लिए नीतियां नहीं बनाना। संविधान की मर्यादाओं का पालन नहीं करना एवं कानून का संरक्षण दे कर सुरक्षा मुहैया नहीं करवाना। प्रतिदिन भारत की सड़कों पर सड़क हादसों में अंग भंग या शहीद होते ड्राइवरों को भारत सरकार और राज्य सरकार की ओर से कोई सुविधा ना मिलना। ना ही कोई उचित मेडिकल सुविधा - मुआवजा और सम्मान ना मिलना। देश समाज एवं अंतर्राष्ट्रीय समाज को शर्मसार कर रहा है। देश के 22 करोड़ ड्राइवर का वर्तमान और भविष्य घोर अंधकार में है।

मानवाधिकारों के हनन की प्रकाष्ठा पार हो गई है। 77 सालों से जिस उम्मीद और भरोसे में 22 करोड़ ड्राइवर देश को सेवाएं दे रहे हैं। उनके विश्वास और भरोसे पर कठोर घात किया गया है। संघ द्वारा मानवाधिकार आयोग को 2019 में मांग पत्र द्वारा शिकायत की गई थी। उस पत्र के अवलोक में। मानवाधिकार आयोग ने 27/06/2022 को केंद्रीय सचिव एवं राज्य सरकारों और केंद्र शासित राज्यों को एक एडवाइजरी जारी की है। उसको भी केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने गंभीरता से नहीं लिया हैं। ड्राइवर समाज की अंतर आत्मा को छलनी किया है। विवश और लाचार होकर अपने हक अधिकारों के लिए ऑल ड्राइवर कल्याण संघ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19, 19 (1) (a), 19((1) (b), 19 (1) (c) संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारियों के तहत इस 1 दिसंबर 01/12/2023 तारीख को संपूर्ण भारत के राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों को अनिश्चितकाल के लिए बंन्द का अहवान करता है। इमरजेंन्सी सेवाएं एम्बुलेंस फायर ब्रिगेड भारतीय सैनिकों एवं पुलिस की गाड़ियों, स्कूल गाड़ियों, को संघ द्वारा छूट रहेगी। हलांकी लोकतंत्र में इनके ड्राइवर को भी अधिकार है। अगर यह अपनी स्वेक्षा से स्टेरिंग छोड़ो अभियान का हिस्सा बनते हैं शामिल होना चाहते हैं, तो हो सकते हैं। ऑल ड्राइवर कल्याण संघ इनका स्वागत करता है। इसका कारण और जवाबदेही भी राज्य सरकारों और केंद्र सरकार की होगी। ना की इन गाड़ियों के ड्राइवर की। ट्रांसपोर्टिंग सिस्टम की सभी सेवाएं ठप रहेगी। भारतीय ड्राइवर को यह मालूम है। इससे देश और समाज को कितनी क्षति होगी। ड्राइवर भी एक इंसान है जो की अपनी भारत मां से और भारत के नागरिकों से, भारत के संविधान से बहुत प्यार करता है। भारत के ड्राइवर नहीं चाहते हड़ताल हो। ड्राइवर लाचार और मजबूर है। उनका भी दिल है उनके भी दर्द है तकलीफें हैं। उनका मौलिक अधिकार है।

तिल तिल के मरने से अच्छा है सरकार और कानून हमें एक बार ही मार दे। या ड्राइवर का अधिकार प्रमुख मांगे ड्राइवर आयोग और राष्ट्रीय ड्राइवर सम्मान दिवस समेत 29 सूत्रीय मांगे भारत सरकार पार्लियामेंट में भारतीय ड्राइवर कानून बनाकर देश में लागू करें। जिस देश का राजा अपनी प्रजा को उसकी साहूलते उनके मौलिक अधिकार नहीं दे सकता। वह देश कभी भी विकास और प्रगति के पथ पर नहीं चल सकता। दुखी हृदय से भारत सरकार और राज्य सरकारों.से तंग आ कर, भारतीय भ्रष्ट सिस्टम से तंग आ कर भारतीय 22 करोड़ ड्राइवर स्टेरिंग छोड़ो अभियान का आह्वान करते हैं। इसकी सारी जिम्मेदारी भारत सरकार राज्य सरकारों और लॉ इन ऑर्डर और प्रशासन की होगी। यह अभियान शांति प्रिय संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करते हुए किया जाएगा। ऑल ड्राइवर कल्याण संघ के अलावा कोई भी यूनियन कोई भी संगठन सामाजिक एन जी ओ सामाजिक धार्मिक संस्थाएं समर्थन में आकर अभियान का अभिन्न हिस्सा बन सकती है। साथ, आ कर सपोर्ट और समर्थन कर सकती है, संघ भारत के सभी वर्गों के महा अनुभावों का हार्दिक स्वागत करता है। साथ ही साथ उनके साथ और समर्थन के लिए भी धन्यवाद प्रकट करता है। अपनी साझेदारी और भागीदारी निभा सकता है। अगर कोई विद्रोह उपद्रव करें या सरकारी या गैर सरकारी संम्पत्ति को नुकसान पहुंचाए। जो कानून व्यवस्था को बिगाड़ने का माहौल बनाए उसकी जिम्मेदारी ऑल ड्राइवर कल्याण संघ एवं भारत के किसी भी संघ परिवार की नहीं होगी। संघ हिंसा और क्राइम नहीं चाहता। पर फिर भी अगर सरकार और प्रशासन उसे हिंसा और क्राइम का रूप दे दे तो संघ इनका जिम्मेदार और कसूरवार नहीं है। संविधान और कानून अपना काम करें। न्यायोचित कार्यवाही करें। संघ उसका सम्मान करेंगा। श्रीमान जी इस सूचना को भारत के सभी उच्च कार्यालय सभी विभाग सभी अधिकारियों को सूचित करें प्रशासन को अवगत करवाएं। सूचना जनहित जन कल्याण के लिए।

मीडिया बंधुओं के साथ साथ ये पत्र यहां भी दिये गये, जो कि निम्न हैं

1 भारत के राष्ट्रपति
2 भारत के प्रधानमंत्री
3 भारत के गृह मंत्री
4 भारत के ट्रांसपोर्ट मंत्री
5 भारत के मुख्य न्यायाधीश
6 भारत के गृह मामलों के सचिव
7 पंजाब के मुख्यमंत्री
8 पंजाब के राज्यपाल
9 पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट मुख्य न्यायाधीश
10 पंजाब के ट्रांसपोर्ट मंत्री
11 पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष
12 लोक सभा अध्यक्ष दिल्ली
13 राज्य सभा के सभापति दिल्ली।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मैंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

स्त्री प्रतिरोध की तीखी अनुगूंज से भरा पूरा एक कविता संग्रह है 'प्रतिरोध का स्त्री-स्वर'

महिलाओं पर महिलाओं के द्वारा मगर पूरे समाज के लिए सामने आई किताब 'प्रतिरोध का स्त्री स्वर : समकालीन हिन्दी कविता' में दर्ज कविताओं के बारे में एक बाद दीगर है कि हरेक कविता महिला जीवनवृत्त के किसी न किसी बिन्दु को बयां करती है. जब एक स्त्री लिखती है तब वह कितनी ही स्त्रियों की भावनाओं को, हालातों को, तकलीफों को, सचाइयों को अभिव्यक्ति देती है.

किताबः औरतों के लिए लेखन 'विलास की वस्तु' या 'टूटे हुए दिल का क्रंदन और रुदन' भर नहीं है. उसके लिए कविता लेखन उसके संपूर्ण अस्तित्व की एक गूंजभरी अभिव्यक्ति है. औरत के लिए लिखना केवल एक लेखकीय विधा नहीं बल्कि तमाम स्त्री जाति की ओर से की गई वह अभिव्यक्ति है जो जरूरी नहीं कि हरेक महिला के हालत और हालात को एकरूपता से बयां करती हो लेकिन हर कविता महिलाओं के किसी न किसी धड़े के भीतर की विस्पर (फुसफुसाहट) तो है ही. कोई एक प्रकार की अभिव्यक्ति किसी खास तबके, किसी खास वर्ग, किसी खास धर्म, काल पर लागू होती होगी तो कोई दूसरी अभिव्यक्ति किसी अन्य देश-काल-जात-धर्म-हालात पर. (सुनें पॉडकास्ट- हिंदी और उर्दू के विख्यात शायर निदा फ़ाज़ली की चार नज़्म)

जब एक स्त्री लिखती है तब वह कितनी ही स्त्रियों की भावनाओं को, हालात को, तकलीफों को, सचाइयों को अभिव्यक्ति देती है. ये वे अभिव्यक्त स्वर हैं जिन्हें पितृसत्तात्मक समाज का पुरुष न तो देखना चाहता है, न समझना. कह पाना तो बहुत दूर की बात है. क्योंकि कई-कई मामले ऐसे सामने आए हैं, जिनमें तो देखने और समझने के बाद भी इस मर्दवादी समाज ने स्त्री पीड़ा को लेखबद्ध नहीं किया. पैट्रियार्की की जड़ों के भीतर की सड़ांध को कहना, स्वयं इस जेंडर के लिए हितकर नहीं है, और ऐसा पैट्रियार्की के सीधे लाभार्थी तो नहीं ही चाहेंगे ! वैसे इस एंगल पर बहस लंबी हो सकती है लेकिन हम आज बात करेंगे हाल ही में प्रकाशित हुई पुस्तक 'प्रतिरोध का स्त्री-स्वरः समकालीन हिन्दी कविता' की, जो कवयित्री और प्रखर स्त्रीवादी आलोचक सविता सिंह (Savita Singh) के सम्पादन में आई है. राधाकृष्णन प्रकाशन (Radhakrishna Prakashan) से छपी इस पुस्तक में वंदना टेटे, शुभा, शोभा सिंह, निर्मला गर्ग, अजंता देव, अनिता भारती, निर्मला पुतुल, नीलेश रघुवंशी, सुशीला टाकभौरे, कविता कृष्णपल्लवी समेत 20 कवयित्रियों की कविताएं हैं.

जातिगत संघर्ष, जेंडर के सवालों, दैहिक शोषण से लेकर मानसिक व भावनात्मक आधातों को बयां करती इन कविताओं को पढ़ना अपने आप में ऐसी गली से निकलना है जहां से आप स्त्री जीवन और स्थिति के लगभग हरेक पहलू को विटनस कर सकते हैं. बच ही नहीं सकते हैं उन तमाम संघर्षों की अग्नि से जो इन कविताओं के जरिए किताब के कागजों से होती पाठक के जेहन में उतरती है.

(पॉडकास्ट सुनें- स्त्री मन को छूतीं, व्याख्या करतीं गगन गिल की कविताएं)

सविता सिंह ने पहली कवयित्री चुनी हैं शुभा और जिनकी पहली ही कविता नारी की पैदाइश से लेकर शुरू हुए संघर्ष का एक बहुत बड़ा सच पेश करती चलती है. यह कविता क्या यह नहीं बताती कि महिला जन्म से लेकर मृत्यु तक जिस बड़े से बबल को साथ लिए चलती है, वह सदैव उससे बड़ा होता है ? कविता का शीर्षक है सहजात.

दुख मुझसे पहले बैठा था
मां के गर्भ में
हम साथ-साथ पैदा हुए
वह मुझसे बड़ा था।

विभिन्न मंचों पर आदिवासी समाज के मसलों को रख चुकीं, कवि, लेखिका, एक्टिविस्ट, प्रकाशक वंदना टेटे की कुछ कविताओ को भी प्रतिरोध का स्वर पुस्तक में सविता ने लिया है. पेश है उनकी कविता 'जब मैं हाथ में ले लेती हूँ' (पॉडकास्ट सुनें- राहत इंदौरी की राहत देतीं ग़ज़ल, नज़्म और शायरी)

जब मैं हाथ में ले लेती हूँ
टाँगी,
हँसिया,
दाब, दराँती
ये सब हमारी सुंदरता के प्रसाधन हैं जिन्हें हाथ में पकड़ते ही मैं दुनिया की सबसे सुंदर स्त्री हो जाती हूँ
तब कहीं दूर रैंप पर लड़खड़ाती हुई टाँगों वाली तुम्हारी सारी विश्वसुंदरी पुतलियाँ पछाड़ खाकर गिर जाती हैं

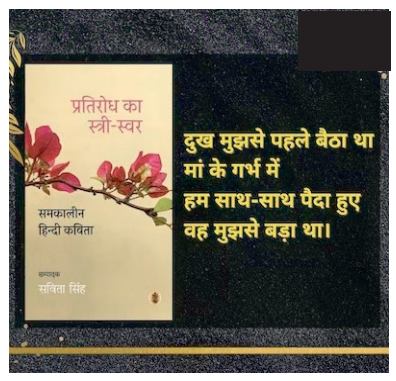

प्रायोजक भाग उठते हैं टीवी डिसकनेक्ट हो जाता है मोबाइल के टावर ठप्प हो जाते हैं
जब मैं हाथ में ले लेती हूँ टाँगी, हँसिया, दाब, दराँती या इन जैसा कुछ भी'.

आदिवासी महिलाओं के अधिकारों, हितों और उत्थान के लिए सक्रिय निर्मला पुतुल की कविताओं को भी सविता सिंह ने पुस्तक में लिया है. संथाली और हिंदी की सुप्रसिद्ध कवयित्री हैं निर्मला पुतुल को साल 2001 में साहित्य अकादमी से साहित्य सम्मान मिल चुका है. पेश है उनकी कविता 'जो अकसर तुम्हारी पकड़ से छूट जाता है'

वह जो अकसर तुम्हारी पकड़ से छूट जाता है
एक स्त्री पहाड़ पर रो रही है
और दूसरी स्त्री
महल की तिमंजिली इमारत की खिड़की से बाहर झाँक कर मुस्कुरा रही है
ओ, कविगोष्ठी में स्त्रियों पर कविता पढ़ रहे कवियो !
देखो कुछ हो रहा है
इन दो स्त्रियों के बीच छूटी हुई जगहों में
इस कहीं कुछ हो रहे को दर्ज करो कि वह अक्सर तुम्हारी पकड़ से छूट जाता है
एक स्त्री गा रही है
दूसरी रो रही है। और इन दोनों के बीच खड़ी एक तीसरी स्त्री इन दोनों को बार-बार देखती कुछ सोच रही है ओ, स्त्री-विमर्श में शामिल लेखको
क्या तुम बता सकते हो
यह तीसरी स्त्री क्या सोच रही है ?
एक स्त्री पीठ पर बच्चा बाँधे धान रोप रही है
दूसरी सरकार गिराने और बनाने में लगी है
ओ, आदिवासी अस्मिता पर बात करने वाली झंडाबरदार औरतो, इन पंक्तियों के बीच गुम हो गई उन औरतों का पता मालूम है जिनका नाम तुम्हारी बहस में शामिल नहीं है !

सविता सिंह ने पुस्तक में चौथी कवयित्री ली हैं कात्यायनी और इस अध्याय में पहली कविता है 'सात भाइयों के बीच'. कुछ समय पत्रकारिता कर चुकीं कात्यायनी ने बाद में स्वतंत्र रूप से लेखन को फुल टाइम अपना लिया. उनकी यह कविता उनके संग्रह से ली गई है

चंपा
सात भाइयों के बीच
चंपा सयानी हुई
बाँस की टहनी-सी लचक वाली
बाप की छाती पर साँप -सी लोटती सपनों में काली
छाया-सी डोलती
सात भाइयों के बीच
चंपा सयानी हुई ओखल में धान के साथ
कूट दी गई
भूसी के साथ कूड़े पर
फेंक दी गई।
वहाँ अमरबेल बनकर उगी झरबेरी के साथ
कँटीली झाड़ों के बीच
चंपा अमरबेल बन सयानी हुई
फिर से घर में आ धमकी
सात भाइयों के बीच सयानी चंपा एक दिन घर की छत से
लटकती पाई गई
तालाब में जलकुंभी के जालों के बीच
दबा दी गई
वहाँ एक नीलकमल उग आया
जलकुंभी के जालों से ऊपर उठकर
चंपा फिर घर आ गई
देवता पर चढ़ाई गई
मुरझाने पर मसल कर फेंक दी गई,
जलाई गई उसकी राख बिखेर दी गई पूरे गाँव में
रात को बारिश हुई झमड़कर अगले ही दिन हर दरवाज़े के बाहर नागफनी के बीहड़ घेरों के बीच निर्भय – निस्संग चंपा मुस्कुराती पाई गई।

पुस्तकः प्रतिरोध का स्त्री स्वर, समकालीन हिंदी कविता
संपादकः सविता सिंह
प्रकाशकः राधाकृष्ण पेपरबैक
मूल्यः 350 रुपये

बढ़ते नेत्र-रोगियों से दुनिया धुंधली हो रही है

ललित गर्ग

विश्व दृष्टि दिवस इसलिये काफी महत्त्वपूर्ण है, दुनिया भर में नेत्र रोगों में बहुत अधिक बढ़ावा हो रहा है। दृष्टि हानि सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करती है और अधिकांश प्रभावित लोग 50 वर्ष से अधिक आयु के हैं। बढ़ते नेत्र-रोगियों से दुनिया धुंधली हो रही है।

विश्व दृष्टि दिवस प्रत्येक वर्ष अक्तूबर के दूसरे गुरुवार को वैश्विक स्तर पर मनाया जाता है। इस साल यह 12 अक्टूबर गुरुवार को पड़ रहा है। यह दिन दृष्टि हानि, अंधापन के साथ-साथ दृष्टि संबंधी समस्याएं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया जाता है, सभी लोगों के लिए अच्छी दृष्टि के महत्व पर प्रकाश डालता है। विश्व दृष्टि दिवस 2023 की थीम है "काम पर अपनी आँखों से प्यार करें: कार्यस्थल में आँखों की देखभाल !' यह विषय समग्र कल्याण के मूलभूत पहलू के रूप में कार्यस्थल में दृष्टि स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के महत्व को रेखांकित करता है, क्योंकि आधुनिक जीवनशैली एवं कार्यस्थलों पर कम्प्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के बढ़ते प्रचलन में आंखें पर ही सर्वाधिक जोर पड़ता है। इस तरह जो लोग स्क्रीन पर बहुत अधिक समय बिताते हैं, उनमें समय के साथ आंखों से संबंधित कई तरह की बीमारियां होने का खतरा रहता है। मोबाइल-कंप्यूटर या टेलीविजन की स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी आंखों के लिए बहुत हानिकारक होती है। विश्व दृष्टि दिवस नेत्र देखभाल सेवाओं तक समान पहुंच को बढ़ावा देता है, विशेष रूप से वंचित और हाशिए पर रहने वाली आबादी के लिए। यह आंखों की देखभाल को किफायती और सभी के लिए उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर देता है।

विश्व दृष्टि दिवस इसलिये काफी महत्त्वपूर्ण है, दुनिया भर में नेत्र रोगों में बहुत अधिक बढ़ावा हो रहा है। दृष्टि हानि सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करती है और अधिकांश प्रभावित लोग 50 वर्ष से अधिक आयु के हैं। बढ़ते नेत्र-रोगियों से दुनिया धुंधली हो रही है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, एक अरब से अधिक लोग ऐसे हैं जो ठीक से देख नहीं सकते हैं क्योंकि उनके पास चश्मे तक पहुँच की सुविधा नहीं है। इनमें से एक अरब लोग निवारण किये जा सकने योग्य दृष्टि दोष से पीड़ित हैं। दृष्टि हीनता व्यक्तिगत गतिविधियाँ, घूमने-फिरने, स्कूली शिक्षा और कार्य, दैनिक दिनचर्या, सामाजिक मेलमिलाप व वार्तालाप जैसे जीवन के हर पहलू पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ती है। शरीर की खूबसूरती में आंखें एवं उनकी दृष्टि-सम्पन्नता बहुत सहायक होती है। कवियों ने तो अपनी कविताओं, गजलों, गीता में उपमाएं देकर आंखों का बखान किया हैं। उनकी कल्पना में जब जुबान खामोश होती है तो आंखें बोलती है, इसलिये दृष्टि दिवस पर आंखों के बारे में जानना और उनकी सुरक्षा करना जरूरी है।

यो तो हमारे शरीर का हर अंग हमारे लिए बहुत कीमती और महत्वपूर्ण है। यदि उनमें से कोई भी अंग खराब या कमजोर हो जाए तो हमें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, हम इस जीवन का आनंद भी ठीक से नहीं ले पाते हैं। खासकर अगर आंखों की बात करें तो यह हमारे शरीर का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंग है। कुदरत का यह नायाब तोहफा है, जिससे सारी दुनिया की रंगीनी एवं अच्छी-बुरी सभी चीजें देखी जा सकती है। ऐसे में अगर आंखों को कुछ हो जाए तो दुनिया कितनी बेरंग हो जायेगी ? यह किसी के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है, यह जीवन का अधूरापन है। आंखों का काम देखना और देखे हुए संदेश को मस्तिष्क तक पहुंचाना होता है। शरीर का

सबसे ज्यादा कोमल अंग आंखें ही होती है, इसलिए जरूरी है कि हम अपनी आंखों का खास ख्याल रखें। आंखों को सही रखने के लिए सही खान-पान का होना बहुत जरूरी है।

आंखें शरीर का वह अंग हैं जो हमें दुनिया की खूबसूरती का एहसास कराती हैं। हालांकि, समय के साथ जीवनशैली और खान-पान में गड़बड़ी के कारण इससे जुड़े खतरे बढ़ते जा रहे हैं। चाहे वह मोबाइल एवं कंप्यूटर पर बहुत अधिक समय बिताना हो या शुगर और बीपी जैसी बीमारियां हों, इन सभी का आंखों के स्वास्थ्य पर गलत प्रभाव पड़ रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका में अंधेपन और कमजोर नजर का मुख्य कारण मोतियाबिंद, डायबिटिक रेटिनोपैथी और ग्लूकोमा जैसी बीमारियों को बताया है। आँख या नेत्र जीवधारियों का वह अंग है जो प्रकाश के प्रति संवेदनशील है। अच्छी दृष्टि किसी व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता पर गहरा प्रभाव डालती है। यह लोगों को दैनिक कार्य करने, शिक्षा प्राप्त करने और समाज में पूरी तरह से भाग लेने, समग्र कल्याण में योगदान करने में सक्षम बनाता है।

दृष्टि दिवस संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के साथ जुड़ा है, जिसमें इस बात पर जोर दिया जाता है कि अच्छी दृष्टि सुनिश्चित करना व्यापक वैश्विक विकास उद्देश्यों को प्राप्त करने का एक अभिन्न अंग है। विश्व दृष्टि दिवस वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देता है, दृष्टि हानि और अंधापन को रोकने के लिए एक साझा मिशन में व्यक्तियों और संगठनों को एकजुट करता है। हर साल दुनिया भर में अंधापन और दृष्टि हानि के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर लायंस क्लब फाउंडेशन सक्रिय हुआ, इसकी प्रेरणास्रोत बनी अमेरिकी लेखिका, शांतिकर्मी, युद्ध विरोधी राजनीतिक कार्यकर्ता, समाजसुधारक एवं प्रेरक उद्बोधक हेलेन केलर, वो स्वयं अंधी होने के बावजूद दुनिया में अनूठे एवं विलक्षण कर किये। 1925 में, जब लायंस इंटरनेशनल केवल सात वर्ष का था, प्रसिद्ध हेलेन केलर ने अपने वार्षिक सम्मेलन में लायंस सदस्यों से अंधता निवारण पर प्रेरक उद्बोधन देते हुए 'अंधेरे के खिलाफ धर्मयुद्ध में अंधों के शूरवीर' बनने के लिए चुनौती दी। उस भाषण ने लायंस की एक नई दिशा तय कर दी और तब से साइट फर्स्ट अभियान की नैत्र-क्रांति से अंधता को दूर किया जा रहा है।

दुनिया भर में लाखों लायंस सदस्यों ने दृष्टिबाधित लोगों की मदद करने के लिए अपने उल्लेखनीय उपक्रम कर रहे हैं। इस प्रयास में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ-साथ इंटरनेशनल एजेंसी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस (आईएपीबी) द्वारा सहयोग मिल रहा है। आईएपीबी एक वैश्विक संगठन है जिसमें 100 से अधिक देशों के विभिन्न धर्मार्थ संगठन और गैर सरकारी संगठन एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए मिलकर काम करते हैं जिसमें विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अंधता रोकथाम और इलाज खोजने सहित अंधेपन के मुद्दे पर जागरूकता फैलाई जाती है। दुनिया के कुछ हिस्सों में बहुत से लोगों को अंधेपन और अन्य ऑप्टिकल समस्याओं का खतरा अधिक है क्योंकि उनके पास आंखों की देखभाल तक पर्याप्त पहुंच नहीं है। विश्व दृष्टि दिवस एक चैरिटी में दान करने के लिए एक आदर्श प्रेरणा प्रदान करता है जो उन लोगों की मदद करता है जो अपनी आवश्यक दृष्टि देखभाल पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

नेत्र स्वास्थ्य सबसे जरूरी है और दृष्टि हानि और अंधापन शिक्षा, रोजगार, जीवन की गुणवत्ता और बहुत कुछ को प्रभावित करता हैं। इसलिए, विश्व संगठनों और लोगों को नेत्र स्वास्थ्य तक सार्वभौमिक पहुंच का सक्रिय रूप से समर्थन करने के लिए हाथ मिलाना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह मिशन एवं विजन हर किसी के लिये मायने रखता है। 74वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में, सदस्य राज्यों ने 2030 तक नेत्र देखभाल के लिए अपवर्तक त्रुटियों के प्रभावी कवरेज के लिए 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी एवं मोतियाबिंद सर्जरी के प्रभावी कवरेज में 30 प्रतिशत की वृद्धि-ये दो वैश्विक लक्ष्य अपनाए हैं। उपरोक्त लक्ष्य न केवल वैश्विक नेत्र देखभाल कवरेज को बढ़ाएंगे बल्कि गुणवत्तापूर्ण सेवाएं भी प्रदान करेंगे। हमें नेत्र-दान का संकल्प लेने के साथ नेत्र-रोगियों को उन्नत दृष्टि देने के लिये सहयोग के हाथ बढ़ाते हुए मानवता को बल देने एवं दुनिया में संतुलन एवं समता का विकास करना चाहिए।

सूर्य - ग्रहण 14 अक्टूबर 2023, शनिवार

यह सूर्य ग्रहण शारदीय नवरात्रि के शुरू होने से एक दिन पहले यानी 14 अक्तूबर, शनिवार को लगेगा।

सूर्य ग्रहण का समय-:

पंचांग की गणना के मुताबिक साल का दूसरा और आखिरी सूर्य ग्रहण 14 अक्तूबर 2023 को लगेगा। भारतीय समय के अनुसार यह सूर्य ग्रहण 14 अक्तूबर को रात के 08 बजकर 34 मिनट से आरंभ हो जाएगा, जिसका समापन मध्य रात्रि को 02 बजकर 25 मिनट पर होगा। यह सूर्य ग्रहण वलयाकार में होगा। जिसमें आसमान में सूर्य एक अंगूठी यानी रिंग के आकार में नजर आएगा। जिस कारण से रिंग ऑफ फायर कहा जाता है।।

इन जगह दिखेगा साल का आखिरी सूर्य ग्रहण-:

14-15 अक्तूबर को पड़ने वाला साल का आखिरी सूर्यग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा, क्योंकि यह सूर्य ग्रहण रात में लगेगा जिस कारण भारत में नहीं दिखाई देगा। यह सूर्य ग्रहण उत्तरी अमेरिका, कनाडा, मैक्सिकों, अर्जेंटीना, पेरू, क्यूबा, कोलांबिया और ब्राजील में देखा जा सकेगा।।

भारत में सूतक काल मान्य नहीं होगा-:

धार्मिक नजरिए के लिहाज से ग्रहण की घटना को शुभ नहीं माना जाता है और ग्रहण के लगने से पहले ही सूतक काल मान्य होता है। सूतक काल लगने पर किसी भी तरह का शुभ कार्य और पूजा-अनुष्ठान करना वर्जित होता है। सूर्य ग्रहण लगने पर ग्रहण के 12 घंटे पहले सूतक काल मान्य होता है वहीं चंद्र ग्रहण लगने पर सूतक काल 9 घंटे पहले मान्य होता है। चूंकि भारत में इस ग्रहण को नहीं देखा जा सकेगा इसलिए इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा। इस दिन सामान्य दिनचर्या में कामकाज किया जा सकता है।।

सूर्य ग्रहण का प्रभाव-:

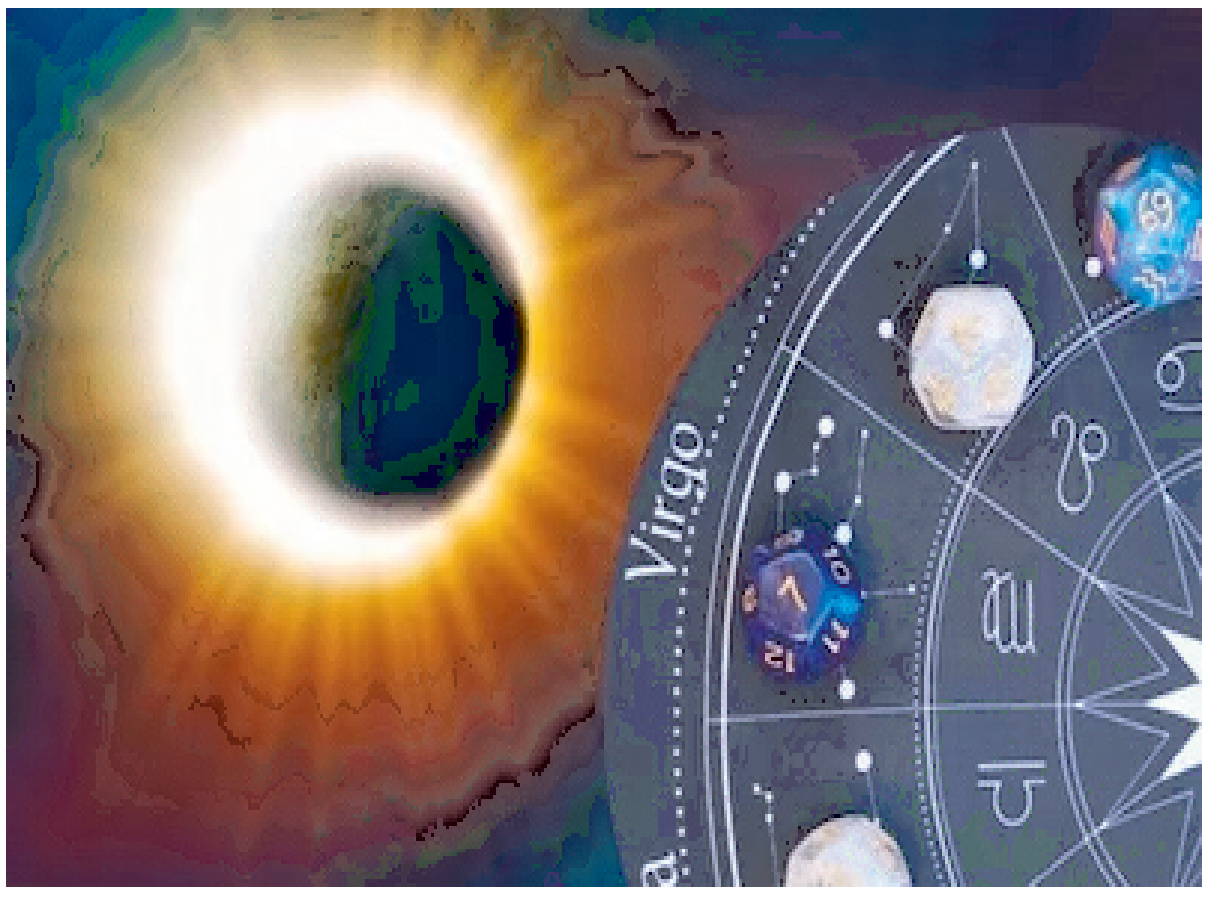

शास्त्रानुसार व वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण का प्रभाव शुभ नहीं माना गया है। ग्रहण जैसी घटनाओं से प्रकृति पर कुछ ना कुछ दुष्प्रभाव ही पड़ते हैं।

सूर्य ग्रहण पर ज्योतिषय आंकलन-:

सूर्य 17 अक्टूबर को अपनी नीच राशि तुला में जाने वाला है और फिलहाल यह सूर्य ग्रहण कन्या राशि के अंतिम चरणों में व चित्रा नक्षत्र के दूसरे चरण में पड़ेगा, यह चित्रा नक्षत्र मंगल ग्रह का नक्षत्र है, और मंगल भूमि का स्वामी है। अतः इस सूर्य ग्रहण का दुष्प्रभाव पृथ्वी पर कुछ ज्यादा देखने को मिल सकता है।

मंगल व सूर्य दोनों ही अग्नि के कारक ग्रह है, इसलिए युद्ध, बारूद, आगजनी, विमान दुर्घटना, भूकंप की वजह से बड़ी जनहानि की संभावना बन जाती है।।

सूर्य ग्रहण के दुष्परिणाम कम करने के उपाय-:

सूर्य ग्रहण के दुष्परिणाम कम करने के लिए सबसे अच्छे दो उपाय हैं- गायत्री मंत्र का जाप या महामृत्युंजय जप, इन दोनों में से किसी भी एक मंत्र का जाप करने से पृथ्वी पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है।।

ज्योतिषी- ग्रह- नक्षत्र
गुरु ग्रह - पुखराज रत्न

रत्न शास्त्र में सभी 9 ग्रहों के लिए अलग-अलग रत्न बताए गए हैं। हर रत्न का जीवन पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र में ₹गुरु ग्रह₹ को मजबूत करने के लिए और इसके शुभ प्रभाव के लिए ₹पुखराज रत्न₹ धारण करने की सलाह दी जाती है।

यदि रत्न उचित समय पर व पूरे शास्त्र सम्मत तरीके से पहना जाए तो निश्चित उसका बड़ा लाभ प्राप्त हो सकता है।

गुरु ज्ञान, पुत्र संतान, जीवन साथी, धन संपत्ति, शैक्षिक बुद्धिमता, शिक्षा, ज्ञान, अच्छे गुण, त्याग, समृद्धि, धर्म, विश्वास, धार्मिक कार्यों का मुख्य कारक ग्रह है। जब यह कुंडली में मजबूत होता है तो संबंधित सभी वस्तुएं का सुख प्राप्त होता है।

आइये जानते हैं पुखराज धारण करने की विधि और फायदे-:

किस धातु में पहने पुखराज-:

पुखराज अच्छी क्वालिटी का सोने की अंगूठी में पहनना चाहिए। और इसे ₹तर्जनी उंगली (index finger)₹ में धारण करना चाहिए।

पुखराज कितनी रत्ती का होना चाहिए-:

पुखराज रत्न कम से कम तीन रत्ती से लेकर 6 रत्ती तक पहन सकते हैं।

इस दिन धारण करना चाहिए पुखराज-:

पुखराज धारण करने के लिए सबसे उत्तम दिन शुक्ल पक्ष का गुरूवार माना गया है।

जबकि इसे धारण करने के लिए ₹इंडेक्स फिंगर यानी तर्जनी अंगुलीर₹ और शुभ मुहूर्त का चयन करना चाहिए।।

पुखराज के साथ ना पहने ये रत्न-:

पुखराज के साथ हीरा, नीलम, पन्ना, गोमेद धारण नहीं करना चाहिए।

पुखराज के साथ ये रत्न धारण कर सकते हैं-:

पुखराज के साथ मोती, मानिक, मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज किसके लिए है अच्छा-:

हमेशा विशेषज्ञ को कुंडली दिखाकर ही रत्न धारण करना चाहिए और वैसे मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु और मीन लग्न के जातक पुखराज रत्न धारण कर सकते हैं।

अच्छे भाव में गुरु है तो पुखराज जरूर पहनें-:

यदि गुरु ग्रह आपके शुभ भावों में विराजमान हैं जैसे- 1/3/4/5 /9/ 10/ 11 भाव में है तो आपके लिए पुखराज रत्न काफी लाभप्रद होता है

पुखराज किसे धारण नहीं करना चाहिए:

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक वृषभ, मिथुन, कन्या, मकर, तुला, और कुंभ लग्न के जातकों को पुखराज रत्न धारण नहीं करना चाहिए है।।

पुखराज पहनने से पहले कुछ सावधानियां अनिवार्य-:

रत्न धारण करने से पहले यह देख लें कि कहीं 4, 9 और 14 तिथि तो नहीं है. इन तिथि को रत्न धारण नहीं करना चाहिए। यह भी ध्यान रखें कि जिस दिन रत्न धारण करें उस दिन गोचर का चंद्रमा आपकी राशि से 4,8,12 में ना हो। अमावस्या, ग्रहण और संक्रान्ति के दिन भी रत्न धारण ना करें।

पूर्ण अवलोकन के बाद ही रत्न धारण करें-:

रत्न धारण करने से पहले लग्न चार्ट/चंद्र कुंडली/ और नवमांश कुंडली चार्ट जरूर देखें। तदोपरांत ही रत्न धारण करने की सलाह दें।।

दिल्ली से कब तक हटेंगे 'कूड़े के तीनों पहाड़', MCD ने दिया नया अपडेट

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली नगर निगम भले ही यह दावा करें कि वह नई कंपनी को काम नहीं दे पाई इसलिए समय-सीमा पर यह कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार जब तक लैंडफिल पर पूरी तरह से नया कूड़ा डलना बंद नहीं होगा तब तक यही स्थिति रहेगी। अब इसकी समय-सीमा दिसंबर 2024 तक कर दी गई है।

नई दिल्ली। राजधानी में कूडे.के तीनों पहाड़ों (भलस्वा, ओखला और गाजीपुर) को खत्म करने के लिए एनजीटी ने छह माह में परिणाम लाने और एक साल में इन पहाड़ों को खत्म करने के आदेश 2019 में दिए थे, लेकिन 2024 आने को हैं पर अभी तक यह कूड़े के पहाड़ खत्म नहीं हो पाए हैं।

ओखला लैंडफिल को पहले दिसंबर 2023 तक करना था खत्म

इतना ही नहीं अब इसकी समय-सीमा दिसंबर 2024 तक कर दी गई है। पहले ओखला लैंडफिल को दिसंबर 2023 तक खत्म करना था और भलस्वा का मार्च 2024 के साथ गाजीपुर को दिसंबर 2024 तक लैंडफिल को खत्म करना था।

दिल्ली नगर निगम ने लैंडफिल की समय-सीमा बढ़ाने के पीछे कारण 30-30 लाख मीट्रिक टन कूड़े के निस्तारण के लिए दूसरी कंपनियों को लगाने की मंजूरी न मिलना बताया है।

निगम अधिकारियों के अनुसार स्थायी समिति का गठन न होने की वजह से यह नहीं हो पाया है।क्योंकि टेंडर आने के बाद उसको स्वीकृत करने की शक्ति स्थायी समिति के पास ही है।

इससे पहले वर्ष 2021 में एमसीडी ने एनजीटी को दिए हलफनामे में कहा था कि गाजीपुर को सितंबर 2024, ओखला को मार्च 2023 और भलस्वा को जून 2022 में खत्म कर देंगे।

नया कूड़ा डलना नहीं हो रहा बंद

दिल्ली नगर निगम भले ही यह दावा करें कि वह नई कंपनी को काम नहीं दे पाई इसलिए समय-सीमा पर यह कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार जब तक लैंडफिल पर पूरी तरह से नया कूड़ा डलना बंद नहीं होगा तब तक यही स्थिति रहेगी।

दिल्ली नगर निगम कभी भी इन कूड़े के पहाड़ों को खत्म नहीं कर पाएगा। कूड़े के पहाड़ खत्म करने हैं तो लैंडफिल पर नए कूड़े को डालना बंद करना होगा। वर्ष 2019 में कूड़े के पहाड़ों को खत्म करने का अभियान शुरू हुआ।

जब से लेकर अब तक निगम 100 लाख मीट्रिक टन ही कूड़े का निस्तारण लैंडफिल से कर पाया है। जबकि 27.09 लाख मीट्रिक टन कूड़ा इन लैंडफिल पर केवल बीते एक वर्ष में जमा हो गया है।

इसका मुख्य कारण स्रोत पर ही कूड़े का निस्तारण न हो होना है। दिल्ली में प्रतिदिन 11 हजार 300 मीट्रिक टन कूड़ा उत्पन्न होता है इसमें से छह हजार मीट्रिक टन के करीब कूड़ा निस्तारित नहीं हो पाता है।

बाटला हाउस एनकाउंटर: BTech के बाद IM से जुड़ा आतंकी आरिज खान, बम बनाने और धमाके करने में है एक्सपर्ट

2008 Batla House Encounter के एक दशक बाद आतंकी आरिज खान को भारत-नेपाल सीमा से गिरफ्तार किया गया था। उसने मुजफ्फरनगर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक पास किया था। आरिज को विस्फोटक विशेषज्ञ माना जाता है। आरिज आइएम के आजमगढ़ माड्यूल का सक्रिय आतंकी है। उसने फरार रहने के दौरान नेपाल की युवती से शादी भी कर ली थी।

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के रहने वाला आरिज खान बाटला हाउस मुठभेड़ में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को न सिर्फ चमका देकर फरार होने में कामयाब रहा था, बल्कि उसे गिरफ्तार करने में दिल्ली पुलिस को खासी मशक्कत करनी पड़ी थी।

मुजफ्फरनगर के इंजीनियरिंग कॉलेज से किया था बीटेक

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल टीम आरिज का सुराग लगाने में जुटी और आखिरकर फरवरी 2018 में उसे भारत-नेपाल सीमा से गिरफ्तार किया गया था। मुजफ्फरनगर के एक इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक पास करने वाला आरिज विस्फोटक विशेषज्ञ माना जाता है।

आरिज, मुठभेड़ के बाद पहले तो एक महीने तक विभिन्न प्रदेशों में छिपता रहा। इसके बाद वह नेपाल भाग गया और अब्दुल सुभान कुरैशी उर्फ तौकीर (इंडियन मुजाहिदीन का सह संस्थापक) के साथ पहचान छिपाकर रहने लगा था।

कुछ साल बाद दोनों सऊदी अरब चले गए। इसके बाद आइएम के पाकिस्तान में बैठे आकाओं इकबाल भटकल व रियाज भटकल ने दोनों को वापस भारत जाकर आइएम व सिमी को नए सिरे से संगठित करने के निर्देश दिए थे। दोनों वर्ष 2018 के मार्च से भारत आने-जाने लगे थे।

आइएम के आजमगढ़ माड्यूल का सक्रिय आतंकी है आरिज

आरिज आइएम के आजमगढ़ माड्यूल का सक्रिय आतंकी है और उसने नेपाल की ही युवती से शादी भी कर ली थी। उसने पत्नी को बताया था कि एक विवाद में फंसने के कारण वह उसे पैतृक घर नहीं ले जा सकता है। आरिज व कुरैशी ने एक ही जगह रहकर फर्जी दस्तावेजों के जरिये नेपाल की नागरिकता प्राप्त कर ली।

एक युवक निजाम खान के सहयोग से उन्हें नेपाल में किराये पर घर मिल गया और फिर उन्होंने मतदाता पहचान पत्र व पासपोर्ट भी बनवा लिए। आरिज खान को स्पेशल सेल ने 2018 में भारत-नेपाल की सीमा से गिरफ्तार किया था।

क्रोनोलाजी: मामले में कब क्या हुआ?

13 सितंबर, 2008: नई दिल्ली में सिलसिलेवार विस्फोटों से 39 लोगों की मौत हो गई और 159 घायल हो गए।

19 सितंबर: पुलिस और आतंकियों के बीच मुठभेड़

तीन जुलाई 2009: आरिज खान और शहजाद अहमद को निचली अदालत ने भगोड़ा घोषित किया।

दो फरवरी 2010: शहजाद अहमद को लखनऊ से गिरफ्तार किया गया।

एक अक्टूबर: मामले की जांच दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा को स्थानांतरित की गई।

30 जुलाई, 2013: इंडियन मुजाहिदीन के आतंकवादी और सह-आरोपित शहजाद अहमद को निचली अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

14 फरवरी 2018: एक दशक तक फरार रहने के बाद आरिज खान को गिरफ्तार किया गया।

8 मार्च 2021: निचली अदालत ने आरिज खान को हत्या और अन्य अपराधों का दोषी ठहराया।

15 मार्च, 2021: निचली अदालत ने आरिज खान को मौत की सजा सुनाई, 11 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

10 जनवरी 2022: निचली अदालत के दोषसिद्धि और सजा के आदेशों के खिलाफ आरिज खान की अपील पर हाई कोर्ट ने पुलिस को नोटिस जारी किया।

सात मार्च 2022: हाई कोर्ट ने मौत की सजा की पुष्टि की जाए या नहीं इस संदर्भ में खान को नोटिस जारी किया।

18 अगस्त 2023: हाई कोर्ट ने मामले में आरिज खान को दी गई मौत की सजा की पुष्टि पर अपना फैसला सुरक्षित रखा।

12 अक्टूबर 2023: हाई कोर्ट ने हत्या के लिए खान की सजा को बरकरार रखा, लेकिन मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया।

फर्जी मुठभेड़ के पुलिस पर लगे थे आरोप

जिस बाटला हाउस मुठभेड़ में आतंकियों की तीन गोली इंस्पेक्टर मोहन चंद्र शर्मा को लगी थी और उसी दिन उनकी मौत हो गई थी। उस मुठभेड़ को मानवाधिकार संगठनों ने फर्जी बताया था और इस पर खून सियासत हुई थी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले की जांच के आदेश दिए थे और दिल्ली पुलिस को क्लीन चिट मिली थी। वर्ष 2013 में अदालत ने शर्मा की हत्या के आरोप में शहजाद अहमद को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

आतंकी अर्श उर्फ डल्ला के 2 शूटर गिरफ्तार, कांग्रेस नेता की हत्या मामले में वांछित थे दोनों

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस ने गैंगस्टर से आतंकी बने अर्श उर्फ डल्ला के दो शूटर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। हाल ही में पंजाब के मोगा जिले में एक कांग्रेस नेता की हत्या के मामले में दोनों वांछित थे। अमेरिका में छिपे अर्श के निर्देश पर दोनों पंजाब दिल्ली हरियाणा व राजस्थान में आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस ने गैंगस्टर से आतंकी बने अर्श उर्फ डल्ला के दो शूटर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। हाल ही में पंजाब के मोगा जिले में एक कांग्रेस नेता की हत्या के मामले में दोनों वांछित थे। वहां की अदालत ने दोनों को भगोड़ा घोषित कर दिया था। दोनों आतंकी अर्श उर्फ डल्ला के करीबी हैं। अमेरिका में छिपे अर्श के निर्देश पर दोनों पंजाब, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान में आपराधिक वारदातों को अंजाम दे रहे थे। दोनों दिल्ली में अपना बेस मजबूत करना चाह रहे थे, लेकिन इससे पहले स्पेशल सेल ने दोनों को दबोच लिया।

एलजी के नरेला डवलेपमेंट प्रोजेक्ट-एडूकेशन हब बनाने के निर्देशों को डीडीए धूल में उडा रहा है

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने हाल ही में अधिकारियों की मीटिंग में नरेला डवलेपमेंट प्रोजेक्ट के तहत सब सिटी के रूप में द्वारका की तर्ज पर एजूकेशन हब और विकास करने को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए थे। इस प्रोजेक्ट के तहत एलजी वीके सक्सेना ने नरेला में बेहतर कनेक्टिविटी, नागरिक बुनियादी ढांचे और नए प्रोजेक्टों को बढावा देने पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकारियों को निर्देश देकर तमाम सुविधाएं मुहैया कराने की हिदायते दी थी।

इस योजना के तहत नरेला.में दिल्ली सरकार के अधीनस्थ संचालित होने वाले कई विश्वविद्यालय, व शिक्षण संस्थानों को भूमि आवंटित की जाएगी, जिन संस्थानों को पहले ही भूमि आवंटित की जा चुकी है।इनमें (एनआईटी) इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी यूनिवर्सिटी, राष्ट्रीय होम्योपैथिक संस्थान जिन्हें पहले ही जमीनें अलॉट की जा चुकी हैं।

प्रस्तावित योजना के तहत गुरू गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटीज और दिल्ली शिक्षक यूनिवर्सिटीज (डीईटीयू) को जमीनें आवंटित किया जाना है। जबकि गुरूगोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटीज को नरेला में जमीन मिलने के बाद नरेला में तीसरा कैंपस बनेगा। इससे पहले द्वारका सेक्टर-16 में, शाहदरा में पूर्वी कैंपस शुरू हो चुका है। नरेला में इसका तीसरा कैंपस बनेगा। मगर डीडीए ने यह सब हवा-हवाई कर दिए। इस बावत नागरिक अधिकार आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवरत आर्य ने उपराज्यपाल द्वारा निर्देशित योजनाओ का स्वागत तो किया है। लेकिन उन्होंने साथ ही आरोप लगाया है कि एलजी द्वारा बडे स्तर पर तमाम मीडिया में घोषणा तो कर दी लेकिन डीडीए के अधिकारियों ने नरेला के तमाम डवलपमेंट प्रोजेक्ट को धूल में उडा दिया है। संगठन के अध्यक्ष ने बताया कि इस प्रोजेक्ट की हवा निकालने वाले जिम्मेदार अधिकारियों की वजह से इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सेक्टर बी-4' की मेन रोड जगह-जगह गड्ढो में तब्दील हो गई है। गड्ढों भरी सडक की वजह से डीटीसी की रूट नंबर 120 की बस का रूट ही बंद कर दिया है। अब बाकी बसे भारी गड्ढो भरी सडक से किनारा करने लगी है। नरेला वासियों को टूटी सडक की वजह से डेढ किलोमीटर गड्ढों भरी सडक को पैदल पार कर बसें पकडनी पड रही है। इसी तरह प्याऊ मनिहारी रोड से लेकर पुलिस---- कॉलोनी मामूर पुर से शांति आपरटमेंट चौंक तक की दोनों तरफ की सडकें भी गड्ढों से बेहाल है।सडकें कब बनेगी पता नहीं। यहां के गड्ढों से गुजरने वाली रूट नंबर 131,193,136,981,173 के बस ड्राइवर भी यहां आने में आनाकानी करने लगे है। NAA संगठन के अध्यक्ष राजवरत आर्य ने आरोप लगाते हुए बताया कि संबधित विभाग के अधिकारियों को ऐसे विकास को लेकर पत्र भी लिखा है। लेकिन उसका नतीजा आज तक नहीं निकला है। अध्यक्ष ने संबधित अधिकारियों के खिलाफ एलजी से सख्त कदम उठाने की मांग की है।

चोर के घर चोरी, फरार होने के लिए जिसे बनाया सारथी उसी ने उड़ाए 20 लाख, ऐसे हुआ खुलासा

चोर के घर चोरी की कहावत तो सबने सुनी है लेकिन करोलबाग इलाके में हुई एक घटना ने इस कहावत को सच साबित कर दिया। करोलबाग इलाके में कारोबारी के कर्मचारी कार्यालय से 35 लाख रुपये लेकर फरार हो गया। जांच करते हुए पुलिस ने आरोपित को राजस्थान के बाडमेर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों के पास से 28 लाख रुपये दो मोबाइल बरामद की हैं।

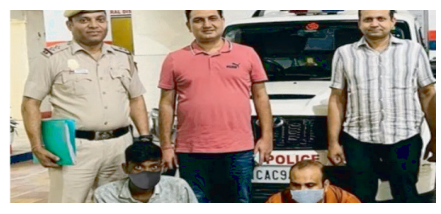

नई दिल्ली। चोर के घर चोरी की कहावत तो सबने सुनी है, लेकिन करोलबाग इलाके में हुई एक घटना ने इस कहावत को सच साबित कर दिया। करोलबाग इलाके में कारोबारी के कर्मचारी कार्यालय से 35 लाख रुपये लेकर फरार हो गया। जांच करते हुए पुलिस ने आरोपित को राजस्थान के बाडमेर से गिरफ्तार कर लिया, जांच में पता चला कि दिल्ली से राजस्थान ले जाने वाले टैक्सी चालक ने उसे नशीला पदार्थ पिलाकर उसके बैग से 20 लाख रुपये चुरा लिए। इसके बाद पुलिस ने आरोपित टैक्सी चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के कब्जे से पुलिस ने 28 लाख रुपये, दो मोबाइल और एक टोयोटा इनोवा कार बरामद की है।

आरोपी ने कारोबारी के यहां से चुराए 35 लाख

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पांच अक्टूबर को करोलबाग के मोबाइल कारोबारी चमन देवास ने कार्यालय में चोरी होने की शिकायत की।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनका एक कर्मचारी राजस्थान सिरोही का रहने वाला दिलीप तीन अक्टूबर को कार्यालय से 35 लाख रुपये चुराकर फरार हो गया। करोलबाग थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। एसएचओ दीपक मलिक के नेतृत्व में एसआइ विक्रम, हवलदार मनोज कुमार और मोनू की टीम गठित की गई।

आईफोन की मदद से हुआ गिफ्तार: पुलिस

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपित ने जैसलमेर के एक नए मोबाइल नंबर से पत्नी से संपर्क किया है। पुलिस ने आरोपित के नए नंबर को सर्विलांस पर लगाया, जिससे उसकी लोकेशन दिल्ली से 900 किलोमीटर दूर राजस्थान के बाड़मेर की पता चली। स्थानिय पुलिस से संपर्क के बाद टीम ने आरोपित को 10 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार कर लिया।

चोरी के पैसों से खरीदा आईफोन

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि तीन अक्टूबर को उसने कार्यालय की अलमारी में 35 लाख रुपये देखे। इसके बाद उसके मन में लालच आ गया। चोरी के बाद उसने करोलबाग से जयपुर जाने के लिए एक टैक्सी किराए पर ले ली। रास्ते में आरोपित चोर और आरोपी कार चालक ने अपने लिए एक आईफोन और 40,000 रुपये कीमत का एक सैमसंग फोन खरीदा। उसने एक नया सिम कार्ड भी लिया, जिससे चोरी करने वाले शख्स ने अपनी पत्नी से संपर्क किया।

वह जयपुर, पाली, और जैसलमेर सहित कई जगहों पर गया। इन जगहों पर उसने खाना, बीयर, नृत्य, होटल और टैक्सी सेवाओं पर करीब चार लाख रुपये खर्च किए।

बैग में नकदी देख टैक्सी चालक की बदली नीयत...

पूछताछ में आरोपित ने बताया कि टैक्सी चालक ने उसे नशीला पदार्थ पिला दिया उसके बाद उसने बैग से 20 लाख रुपये की चोरी कर लिए। आरोपित से टैक्सी चालक की जानकारी लेने के बाद एसआइ साहिल और हवलदार छगन ने टैक्सी नंबर के जरिए आरोपित चालक रजनीश को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में उसने बताया कि दिलीप को ले जाने के दौरान उसके बैग में काफी रकम देखी थी। ऐसे में वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर 17.5 लाख रुपये और इनोवा कार बरामद कर ली।

वारदात के वक्त युवती पहले से बुक कैब में जाने के लिए बैठ रही थी।

मम्मी, मुझे हॉस्पिटल लेकर चलो जल्दी...' एकतरफा प्यार में मनचले ने लड़की को चाकू से गोदा

परिवहन विशेष न्यूज

राजधानी दिल्ली से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एकतरफा प्यार के चक्कर में एक मनचले युवक ने युवती पर चाकू से ताबड़तोड़ कई वार किए। चाकू से हमले के बाद युवती को एम्स ट्रामा सेंटर ले जाया गया जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक आरोपी युवती को काफी समय से परेशान कर रहा था।

दक्षिणी दिल्ली। लाडो सराय इलाके में एकतरफा प्यार के चक्कर में मनचले युवक ने एक 23 वर्षीय युवती पर एक के बाद एक चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिया।

वारदात के वक्त युवती पहले से बुक कैब में जाने के लिए बैठ रही थी। चाकू से हमले के बाद युवती को एम्स ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद

वहीं, कैब चालक ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आरोपित को दबोच लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपित के पास से वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

गाजियाबाद का रहने वाला है गौरव पाल

उसकी पहचान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के दुन्दहेरा के रहने वाले 27 वर्षीय गौरव पाल के रूप में हुई है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

पीड़िता के मामा ने बताया कि पीड़िता स्नातक अंतिम वर्ष की छात्रा है। पढ़ाई के साथ ही वह घर में सहयोग करने के लिए नौकरी की भी तलाश कर रही थी।

बृहस्पतिवार को एक निजी कंपनी में इंटरव्यू देने के लिए पीड़िता सुबह 06.30 बजे घर से निकली थी। इसी दौरान रास्ते में उसकी आरोपित से मुलाकात हुई और आरोपित से पीड़िता की कुछ बातचीत भी हुई। इसके बाद पीड़िता अपनी पहले से बुक की हुई कैब में बैठने लगी तो आरोपित ने उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

इसके बाद आरोपित ने खुद ही उनकी भांजी को मारने और खुद जेल जाने की जानकारी उनके घर पर काल करके दी। बाद में उन्हें पुलिस की ओर से भी काल आई और पता चला कि पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

पिछले कई सालों से पीड़िता को आरोपित कर रहा था परेशान

स्वजन का कहना है कि आरोपित पिछले दो-तीन सालों से पीड़िता को आते जाते छेड़ता रहता था और प्रेम प्रसंग ठुकराने पर जान से मारने की धमकी देता था। साथ ही हाथ की नशें इत्यादि काटने की तरह-तरह की फोटो भेजकर अपनी जान देने के बारे में कहता रहता था।

इस मामले में पीड़ित परिवार ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी और साकेत थाने भी गए थे लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इस पर पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि 10 सितंबर को मामले में पीड़िता को परेशान करने की पीसीआर काल मिली थी।

मौके पर पहुंची पुलिस को पूछताछ में पता चला कि यह झगड़ा आरोपित गौरव पाल और पीड़िता के बीच उधार लिए गए पैसों को लेकर हुआ था। इस दौरान आरोपित गौरव पीड़िता के घर आया हुआ था। हालांकि, बाद में कालर ने मामले में कोई कार्रवाई करने से मना कर दिया था।

बृहस्पतिवार तड़के छह बजे लड़की को चाकू मारने की पीसीआर कॉल मिली थी। मौके पर पुलिस को 23 वर्षीय लड़की घायल हालत में मिली। जांच में पता चला कि पीड़िता का आरोपित से करीब ढाई साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था, लेकिन आजकल पीड़िता उसे नजरअंदाज कर रही थी। इसी को लेकर आरोपित पीड़िता से मिलने लाडो सराय इलाके में सुबह आया था और उस पर चाकू से हमला कर दिया। कैबचालक ने आरोपित को दबोच लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर चाकू बरामद कर लिया है।

- चंदन चौधरी, पुलिस उपायुक्त, दक्षिणी दिल्ली जिला

वायरल वीडियो में मम्मी, 'मुझे हॉस्पिटल लेकर चलो जल्दी' कहती दिखी पीड़िता

वारदात के बाद कैब के अंदर मौजूद खून से लथपथ हालत में पीड़िता अस्पताल ले जाने के लिए कहती है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में साफ सुना जा सकता है कि पीड़िता मदद के लिए अपनी मां को याद करते हुए जल्दी अस्पताल ले चलने के लिए कह रही है। बताया जा रहा है कि तब पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी जा चुकी थी और एंबुलेंस रास्ते में थी। वारदात का वीडियो इतना भयावह है उसे पोस्ट नहीं किया जा सकता है।

गाजियाबाद पहुंचे सीएम योगी, RapidX स्टेशन का करेंगे निरीक्षण

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में देश की पहली हाई स्पीड रैपिडएक्स का उद्घाटन होने वाला है। आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रैपिडएक्स को हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन करेंगे जिसके लिए प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। इसी संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले जिले का उद्घाटन स्थल का दौरान करने पहुंचे हैं जहां वह एक जनसभा को संबोधित करेंगे और इसके बाद उद्घाटन स्थल का निरीक्षण करें।

गाजियाबाद। गाजियाबाद में देश की पहली हाई स्पीड रैपिडएक्स का उद्घाटन होने वाला है। आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रैपिडएक्स को हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन करेंगे, जिसके लिए प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। इसी संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहले जिले का उद्घाटन स्थल का दौरान करने पहुंचे हैं।

जानकारी के अनुसार, सीएम योगी सीआईएसएफ कैंप से जनसभा स्थल जायजा लेने पहुंचे थे। इसके बाद वह रैपिडएक्स के उद्घाटन स्थल का निरीक्षण करने के लिए निकल चुके हैं।

कब होगा रैपिडएक्स का उद्घाटन

सूत्रों की मानें तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 अक्टूबर को रैपिडेक्स का उद्घाटन करने गाजियाबाद आएंगे, लेकिन बीते दिनों 16 से 19 अक्टूबर के बीच उद्घाटन की चर्चाएं थी।

हालांकि, इसकी अब तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम में बताया गया है कि वह वसुंधरा सेक्टर-8 स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे हैं। इससे साफ हो गया है कि कार्यक्रम स्थल यही रहेगा।

स्ट्रेचर पर मरीज को ले जाने की सुविधा, प्रीमियम कोच में अटेंडेंट... वर्ल्ड क्लास एक्सपीरियंस देगी RapidX ट्रेन

RapidX ट्रेन में सफर के लिए यात्रियों को मेट्रो से अलग अनुभव होगा। इसके दरवाजे स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचने पर खुद नहीं खुलेंगे बल्कि ट्रेन के गेट के पास लगे बटन को दबाने पर ही वह खुल सकेंगे जब ट्रेन चलेगी तो यह दरवाजे खुद बंद हो जाएंगे। बटन लगाने के वक्त यात्रियों की सुविधा को भी ध्यान में रखा गया है।

गाजियाबाद। RapidX ट्रेन में सफर के लिए यात्रियों को मेट्रो से अलग अनुभव होगा। इसके दरवाजे स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचने पर खुद नहीं खुलेंगे बल्कि ट्रेन के गेट के पास लगे बटन को दबाने पर ही वह खुल सकेंगे, जब ट्रेन चलेगी तो यह दरवाजे खुद बंद हो जाएंगे।

बटन लगाने के वक्त यात्रियों की सुविधा को भी ध्यान में रखा गया है, इसलिए जब ट्रेन चलेगी तो यह बटन दबाने पर भी दरवाजा नहीं खुलेगा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम की ओर से ट्रेन में यात्रियों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं देने की तैयारी की गई है। खासतौर पर रैपिडएक्स ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए ही स्ट्रेचर पर मरीज तक ले जाने की सुविधा दी गई है। इस ट्रेन में कुल छह कोच हैं, जिनमें से पांच स्ट्रैंडर्ड कोच और एक प्रीमियम कोच है।

स्टैंडर्ड कोच में प्रत्येक तरफ तीन और प्रीमियम कोच में प्रत्येक तरफ दो दरवाजे होंगे। इस तरह से ट्रेन में कुल 34 दरवाजे होंगे और प्रत्येक कोच के अंदर और बाहर एक बटन है, जिसमें ट्रेन चलने पर लाल रंग की लाइट जलेगी और जब ट्रेन स्टेशन पर पहुंच जाएगी तो बटन में हरे रंग की लाइट जलने लगेगी, जिससे कि यात्रियों को यह पता चल सके कि अब ट्रेन के दरवाजे खोले जा सकते हैं।

यह होगा फायदा

ट्रेन के दरवाजे पर बटन लगा होने के कारण उस कोच में सफर कर रहे यात्रियों को ज्यादा सुविधा होगी, जिस कोच में ट्रेन के किसी स्टेशन पर पहुंचने पर उस कोच में किसी यात्री को चढ़ना और उतरना न हो, ऐसे में उनको किसी तरह की परेशानी नही होगी और कोच के अंदर का तापमान भी ठीक रहेगा, यदि दरवाजे खुलते तो कोच के अंदर के तापमान में बदलाव होता।

गुलाबी रंग के होंगे महिला कोच के दरवाजे

ट्रेन के अंदर पांच स्ट्रैंडर्ड कोच में से एक कोच महिलाओं के लिए आरक्षित होगा। यह कोच अन्य स्टैंडर्ड कोच की तरह ही होगा लेकिन उसके दरवाजे गुलाबी रंग के होंगे, जिससे कि अलग से ही यह पहचान हो सके कि यह कोच महिलाओं के लिए आरक्षित है।

कोर्ट ने मोनू मानेसर को 14 दिन के लिए भेजा जेल, क्राइम ब्रांच ने चार दिन की पूछताछ के बाद किया था पेश

पटौदी में हत्या के प्रयास के मामले में चार दिन से पुलिस रिमांड पर चल रहे मोनू मानेसर को बुधवार दोपहर पटौदी कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भोंडसी जेल भेज दिया। क्राइम ब्रांच ने रिमांड के दौरान मोनू की निशानदेही पर लाइसेंसी राइफल चार कारतूस दो खाली खोल व एक बुलेट प्रूफ गाड़ी स्कार्पियो बरामद की।

पटौदी (गुरुग्राम)। पटौदी में हत्या के प्रयास के मामले में चार दिन से पुलिस रिमांड पर चल रहे मोनू मानेसर (Monu Manesar) को बुधवार दोपहर पटौदी कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भोंडसी जेल भेज दिया। क्राइम ब्रांच ने रिमांड के दौरान मोनू की निशानदेही पर लाइसेंसी राइफल, चार कारतूस, दो खाली खोल व एक बुलेट प्रूफ गाड़ी स्कार्पियो बरामद की। रिमांड के दौरान आरोपित मोनू मानेसर से पुलिस पूछताछ में पता चला कि छह फरवरी 2023 को वह अपने साथियों सहित पटौदी निवासी राकेश के घर गया था। यहां पर पटौदी के ललित ने बताया कि एक पक्ष के लोग यहां दूसरे पक्ष को तंग करते हैं और वो आने वाले हैं तब मोनू ने भी पटौदी निवासी सुल्ली उर्फ सुनील को फोन करके बुला लिया। कुछ देर बाद सामने वाले पक्ष के लोग वहां आ गए और उन लोगों ने राकेश के घर पर पथराव कर दिया। इसमें उसके घर के शीशे टूट गए। जब घर में मौजूद लोगों ने बाहर आकर देखा तो दूसरे पक्ष के लोग वहां खड़ी गाड़ियों को भी लाठी डंडों से तोड़ रहे थे तथा गोली की भी आवाज सुनाई दी। मोनू मानेसर (Monu Manesar) के पक्ष के लोगों ने भी इसकी लाइसेंसी राइफल 315 बोर से हवाई फायर किए तथा इसकी पिस्तौल से भी एक-दो फायर किए गए। पटौदी में गोली चलने के मामले में एक प्राथमिकी मोनू मानेसर ने दर्ज करवाई थी। दूसरी तरफ गोली लगने से घायल हुए मोहीन के पिता मुबीन खान के बयान पर अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने GDA और नगर निगम पर लगाया 22 करोड़ का जुर्माना, 6 हफ्ते में UPPCB को जमा करानी होगी राशि

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एसटीपी और कूड़ा निस्तारण प्रबंधन दुरुस्त नहीं होने पर सुप्रीम कोर्ट ने जीडीए पर 20 करोड़ और नगर निगम पर दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। दोनों विभागों को छह सप्ताह के भीतर जुर्माने की राशि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के पास जमा करनी होगी। इस राशि पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने में खर्च किया जाएगा।

साहिबाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एसटीपी और कूड़ा निस्तारण प्रबंधन दुरुस्त नहीं होने पर सुप्रीम कोर्ट ने जीडीए पर 20 करोड़ और नगर निगम पर दो करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। दोनों विभागों को छह सप्ताह के भीतर जुर्माने की राशि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के पास जमा करनी होगी। इस राशि पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने में खर्च किया जाएगा।

NGT ने लगाया था 200 करोड़ का जुर्माना

दरअसल, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा एक साल पहले 200 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के बाद नगर निगम ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इसी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया है।

इंदिरापुरम एसटीपी और कूड़ा निस्तारण हो रहे पर्यावरण को नुकसान को लेकर कनफेडरेशन ऑफ ट्रांस हिंडन आरडब्ल्यूए की ओर से एनजीटी में याचिका दायर की गई थी।

कनफेडरेशन के काआर्डिनेटर कुलदीप सक्सेना ने बताया कि इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सितंबर 2022 में एनजीटी के न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली प्रधान पीठ ने आदेश दिया था।

पीठ ने कहा था कि खुले में कूड़ा डाला जा रहा है। इंदिरापुरम में सीवेज प्रबंधन के लिए एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) ठीक से काम नहीं कर रहा है। एसटीपी की क्षमता 56 एमएलडी की है, जबकि इससे 70 एमएलडी पानी ट्रीट किया जा रहा है। पीठ ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए कहा कि 10 नाले हरनंदी नदी में गिर रहे हैं।

निगम को 150 करोड़ रुपये और जीडीए को 50 करोड़ रुपये जुर्माने के रूप में जमा करने होंगे। एनजीटी के इस आदेश के खिलाफ नगर निगम ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दी। तभी से इस याचिका पर सुनवाई चल रही थी।

कोर्ट के आदेश के बाद GDA को लगा झटका

सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद नगर निगम और जीडीए को झटका लगा है। हालांकि, जुर्माने की राशि पहले के मुकाबले कम हो गई हैं। अब निगम को 150 करोड़ रुपये की बजाय दो कराड़ और जीडीए को 50 करोड़ की बजाय 20 करोड़ रुपये जमा करने होंगे।

हैंडओवर की दलील से निगम का कम हुआ जुर्माना

150 करोड़ रुपये का जुर्माना लगने पर नगर निगम के अधिकारी ज्यादा परेशान थे। निगम ने सुप्रीम कोर्ट में दलील पेश करते हुए कहा कि इंदिरापुरम नगर निगम के अंतर्गत नहीं आता है। इसकी व्यवस्था जीडीए देखता है।

इस दलील का निगम को फायदा मिल गया। सुप्रीम कोर्ट ने जुर्माने की राशि घटकार 150 करोड़ रुपये से घटाकर दो करोड़ कर दी। जीडीए पर 50 करोड़ की बजाय 20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। हालांकि इंदिरापुरम में लगे एसटीपी में निगम क्षेत्र की कालोनियों का भी पानी आता है।

सब्जी मंडी में उगाही करने वाले तीन पुलिस कर्मियों पर गिरी गाज, कमिश्नर ने किया सस्पेंड

खांडसा सब्जी मंडी में अवैध रूप से उगाही के एक पुराने मामले में संदिग्ध भूमिका पर पुलिस आयुक्त ने तत्काल प्रभाव तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। तीनों को अपनी जगह से हटाकर पुलिस लाइन में भेजा गया है। इसमें दो एसएसआई और एक हेड कांस्टेबल शामिल हैं। डीसीपी हेडक्वार्टर दीपक गहलावत की तरफ से मंगलवार रात निलंबन के आदेश जारी किए गए।

गुरुग्राम। खांडसा सब्जी मंडी में अवैध रूप से उगाही के एक पुराने मामले में संदिग्ध भूमिका पर पुलिस आयुक्त ने तत्काल प्रभाव तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। तीनों को अपनी जगह से हटाकर पुलिस लाइन में भेजा गया है। इसमें दो एसएसआई और एक हेड कांस्टेबल शामिल हैं।

डीसीपी हेडक्वार्टर दीपक गहलावत की तरफ से मंगलवार रात निलंबन के आदेश जारी किए गए। इस आदेश में कहा गया कि एस्कार्ट गार्ड की ड्यूटी पर तैनात सब इंस्पेक्टर राजकुमार, सेक्टर 10 क्राइम ब्रांच में तैनात सब इंस्पेक्टर विनोद और शिवाजी नगर थाने में तैनात हेड कांस्टेबल देशराज को निलंबित किया गया है।

भेजी गई आदेश की कॉपी

इन्हें तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेज दिया गया है। उन्होंने इस आदेश की कॉपी शिवाजी नगर पुलिस थाना, सेक्टर-10 क्राइम ब्रांच, और एस्कार्ट गार्ड को भेजी है। पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा के गुरुग्राम में पद संभालने के बाद यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले एक थाना क्षेत्र में एक वाहन चालक से वसूली के मामले में दो पुलिसकर्मियों और एक रजिस्ट्री से जुड़े मामले में आर्थिक अपराध शाखा में तैनात पुलिसकर्मी को निलंबित किया जा चुका है। मंगलवार को तीन पुलिसकर्मियों पर हुई कार्रवाई खांडसा सब्जी मंडी में अवैध रूप से उगाही के मामले में संदिग्ध भूमिका आने पर की गई है।

इजराइल और हमास के बीच चल रहे युद्ध से मानवता पर बढ़ गया है खतरा

सत्तर साल से फलस्तीन के नाम पर जो खून-खराबा हो रहा है, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या इन इलाकों में दुश्मनियों को इंसानी रगों में पाला जाता है, ताकि मौका आने पर खून बहाया जा सके? क्या ऐसे इलाकों में युवा जवान ही इसलिए होते हैं कि इंसानियत को शर्मसार कर सकें?

ललित गर्ग

रूस और यूक्रेन के बाद अब इजरायल और हमास के बीच धमासान युद्ध के काले बादल विश्व युद्ध की संभावनाओं को बल देते हुए लाखों लोगों के रोने-सिसकने एवं बर्बाद होने का सबब बन रहे हैं। युद्ध की बढ़ती मानसिकता विकसित मानव समाज पर कलंक का टीका है। हमास ने नासमझी दिखाते हुए आतंकी हमला करके सोये शेर को जगा दिया है। आतंकी हमले का पहला राउंड इस मायने में पूरा हुआ माना जा सकता है कि उसे अंजाम देने वाले संगठन हमास ने कहा है कि उसका जो मकसद था वह पूरा हो चुका है और अब वह युद्धविराम पर बातचीत के लिए तैयार है। लेकिन प्रश्न है कि इजरायल इस हमले पर कैसे शांत रहेगा? उसके यहां हुए महाविनाश एवं व्यापक जनहानि के बाद उसके लिये कथित युद्धविराम प्रस्ताव का कोई अर्थ नहीं है? इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कड़े शब्दों में कहा कि युद्ध शुरू तो हमास ने किया है, लेकिन खत्म हम करेंगे। दुश्मनों ने अंदाजा भी नहीं लगाया होगा कि उन्हें इसकी कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी।'' आज दुनिया से आतंकवाद को खत्म करना प्रमुख प्राथमिकता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में इजरायल के साथ है। भारत युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहता है, लेकिन कोई जबरन हिंसा एवं आतंक को पनपाता है तो उसे नियंत्रित करने के लिये उचित कदम उठाने की होंगे।

हमास के सरगना मोहम्मद डेफ ने इस हमले को महान क्रांति का दिन बताते हुए कहा कि 'हमने इसरायल के विरुद्ध नया सैन्य मिशन शुरू किया है। बस अब बहुत हो गया। अब हम और बर्दाश्त नहीं करेंगे।' इस पर गुस्साए इजरायल ने भी आधिकारिक तौर पर 'हमास' के विरुद्ध युद्ध का ऐलान करके इसे 'आप्रेशन आयरन स्वोड्र्स' नाम दिया है तथा गाजा पट्टी के इलाके में 17 ठिकानों पर इजरायल वायु सेना के लड़ाकू जैट विमानों द्वारा ताबड़तोड़ हमले किए जा रहे हैं। जहां तक इजरायल की जवाबी कार्रवाई का सवाल है तो इतना तो तय है कि बात यहीं नहीं रुकेगी, जंग का दूसरा राउंड शायद पहले से ज्यादा भीषण एवं महाविनाशक होगा, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि नेतन्याहू सरकार इसे किस तरह से अंजाम देगी। फिलहाल इतना ही कहा जा सकता है कि गाजापट्टी उसके हमलों का निशाना बनेगी। गाजा पट्टी में हमास का प्रभाव जरूर है, लेकिन वहां 23 लाख लोग रह रहे हैं जिनका एक बड़ा हिस्सा हमास की गतिविधियों और योजनाओं से अनजान होगा। ऐसे बेकसूर लोग जितनी बड़ी संख्या में इजरायली कार्रवाई के शिकार होंगे, मानवाधिकार का सवाल उतने बड़े रूप में उभरेगा और फलस्तीनियों के लिए तथाकथित सहानुभूति भी जुट सकती है।

विश्व शांति, अमन एवं अहिंसक समाज रचना दुनिया की जरूरत है, लेकिन हमास जैसी आतंकी सोच इसकी सबसे बड़ी बाधा है, इसलिये हमास की जितनी निंदा की जाए कम है। जिस संगठन को बंदूक छोड़कर गाजा पट्टी के विकास में लगना चाहिए, वह संगठन धर्म-अधर्म के रास्ते ताकत सिर्फ इसलिए जुटाता है, ताकि इजरायल के शरीर पर पहले से कहीं गहरा छुरा धंसा सके, मर्माहत आघात कर सके? मोसाद बनाम हमास की लड़ाई मानो एक व्यवसाय बन गई है, विकृत एवं हिंसक मानसिकता का स्थायी घर बन चुकी है। दोनों देशों की सत्ताएं आखिर शांति एवं अमन का सबक क्यों नहीं लेती? स्वयं अपने देश में स्थायी शांति के प्रति गंभीर क्यों नहीं होती है? आज उन्हें स्थायी शांति के उपायों पर जोर देना चाहिए, दुनिया को ऐसे देशों की जरूरत है, जो आतंकमुक्ति को सही दिशा में प्रेरित करें, ताकि पश्चिम एशिया के खूनी दलदल को हमेशा के लिए पाटा जा सके।

अभी लेबनान की तरफ से हिजबुल्ला के कुछ हमले हुए हैं लेकिन लेबनान सरकार उस इलाके में शांति और स्थिरता बने रहने की इच्छा जताने तक सीमित है। ईरान और सऊदी अरब ने भी फलस्तीनियों के हक में शांति कायम करने की कोशिश की बात कही है। अगर बात बढ़ी और प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से हमास के लिए समर्थन बढ़ा तो हालात बदतर ही होंगे। दुनिया को लगातार युद्ध, आतंक, अशांति, हिंसा की ओर धकेलने वालों से सवाल पूछना ही होगा कि युद्ध एवं आतंक से हासिल क्या होगा? सबसे पहले धर्मगुरुओं से और उसके बाद राजनीतिक आकाओं से यह समझना होगा कि ऐसी युद्ध एवं आतंक की मानसिकता से किसका भला हो रहा है? निर्दोषों की हत्याएं भला कैसे जायज हैं? अगर ऐसी हत्याएं जायज हैं, तो फिर मजहबों के मानवीय एवं शांतिप्रिय होने का बखान बंद होना चाहिए। बुरा आदमी और बुरा हो जाता है जब वह साधु बनने का स्वांग रचता है। दुनिया में छोटी-छोटी बातों पर लोगों के दिल आहत हो जाते हैं, पर हजारों निर्दोष एवं मासूक बच्चों एवं महिलाओं की मौत से कौन आहत हुआ है? कहां है मानवता? कहां है विश्वशांति का स्वप्न? निश्चित ही हिंसा की धरती पर शांति की पौध नहीं उगायी जा सकती।

लगभग सत्तर साल से फलस्तीन के नाम पर जो खून-खराबा हो रहा है, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या इन इलाकों में दुश्मनियों को इंसानी रगों में पाला जाता है, ताकि मौका आने पर खून बहाया जा सके? क्या ऐसे इलाकों में युवा जवान ही इसलिए होते हैं कि इंसानियत को शर्मसार कर सकें? कोई ऐसे दाग-धब्बों के साथ अपने देश का इतिहास लिखता है क्या? बड़ा प्रश्न है कि इस व्यापक हिंसा एवं आतंक को रोकने वाला कौन होगा? कोई आतंकी हमास के साथ दिख रहा है, तो कोई इजरायल के लिए लुट-मिट जाने को बेताब है? बात हर तरफ विनाश की है। युद्ध एवं आतंक करने वाले और उनको प्रोत्साहन देने किसी को भी आज तक ऐसा कोई महत्वपूर्ण प्रोत्साहन नहीं मिला, जो उसे गौरवान्वित कर सका हो। जब तक आतंक एवं युद्ध की मानसिकता वाले राष्ट्रों के अहंकार का विसर्जन नहीं होता तब तक युद्ध की संभावनाएं मैदानों में, समुद्रों में, आकाश में भले ही बन्द हो जाये, दिमागों में बन्द नहीं होती। इसलिये आवश्यकता इस बात की भी है कि कि जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे, आतंक एवं हिंसक मानसिकता पर लगे। मंगल कामना है कि अब मनुष्य यंत्र के बल पर नहीं, भावना, विकास और प्रेम के बल पर जीए और जीते।

इस हिंसक, आतंकी एवं युद्ध के दौर का दुखद पहलू है कि पुतिन का नया रूस भी यूक्रेन को निशाना बनाते हुए बच्चों एवं महिलाओं को नहीं बख्शता है। जहां अपने और पड़ोसी के कल्याण की चिंता होनी चाहिए थी, वहां केवल बदले की भावना हावी है। बर्बरता, क्रूरता, उन्माद एवं जघन्यता बढ़ती जा रही है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उग्रवादी समूह को मलबे में फेंक देने की कसम खाई है। निर्ममता एवं बर्बरता की पराकाष्ठा कर रहे आतंकियों की जगह मलबे में ही है, पर उन मासूम बच्चों, औरतों और आदमियों का क्या दोष, जो कहीं से भी आतंकी नहीं हैं, मगर निशाना बन रहे हैं? क्या मानव सभ्यता में आंतकवाद के खिलाफ कोई भी लड़ाई दोषी और निर्दोष के बीच भेद किये बिना सफल हो सकती है। यह दुनिया की एक बड़ी आबादी को हर समय विनाश की संभावनाओं पर कायम रखने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनता है। युद्ध एवं विनाश की सघन होती स्थितियों के बीच उल्लेखनीय है कि इजराइल ने 1970 में ईराक द्वारा फ्रांस से खरीदे परमाणु प्लांट पर 1 मिनट 20 सैकेंड में 16 बम गिरा कर परमाणु प्लांट नष्ट करने में सफलता पाई थी। कहना मुश्किल है कि इस घटनाक्रम का अंजाम क्या होगा, फिलहाल यही कहा जा सकता है कि जितनी जल्दी यह विवाद सुलझ सके उतना ही दुनिया के लिए अच्छा होगा। पहले ही विश्व शांति खतरे में पड़ी हुई है, अब 'हमास' व इसरायल युद्ध ने यह खतरा और बढ़ा दिया है तथा अतीत में हो चुके दो विश्व युद्धों के बाद तीसरे विश्व युद्ध की आहट तेजी से सुनाई दे रही है। युद्ध विराम के साथ अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव जरूरी है। मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देनी होगी, स्वयं अभय बनकर विश्व को निर्भय बनाना होगा। इसी से किसी एक देश या दूसरे देश की जीत नहीं बल्कि समूची मानव-जाति की जीत होगी।

वोल्वो सी40 रिचार्ज ईवी की प्राइस में हुआ इजाफा: 1.70 लाख रुपये तक महंगी हुई ये इलेक्ट्रिक कार

वोल्वो सी40 रिचार्ज की कीमत अब 62.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) हो गई है

वोल्वो सी40 रिचार्ज को लॉन्चिंग से एक महीने के अंदर 100 से ज्यादा बुकिंग मिल चुकी है।

इस गाड़ी को एक्ससी40 रिचार्ज वाले ही प्लेटफार्म पर तैयार किया गया है।

सी40 रिचार्ज कूपे एसयूवी में 78 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक दिया गया है, जिसकी डब्ल्यूएलटीपी सर्टिफाइड रेंज 530 किलोमीटर है।

इसमें ड्यूल मोटर (408 पीएस/660 एनएम) के साथ ऑल-व्हील-ड्राइव सेटअप दिया गया है।

वोल्वो सी40 रिचार्ज की बुकिंग 1 लाख रुपये के टोकन अमाउंट के साथ फिलहाल जारी है।

वोल्वो सी40 रिचार्ज को भारत में सितंबर में लॉन्च किया गया था। लॉन्चिंग से महज एक महीने के अंदर इस गाड़ी को 100 से ज्यादा बुकिंग मिल चुकी है। यह वोल्वो की दूसरी इलेक्ट्रिक कार है, जो अब तक 61.25 लाख रुपये (इंट्रोडक्ट्री एक्स-शोरूम पैन इंडिया) प्राइस पर उपलब्ध थी, लेकिन अब कंपनी ने इस इलेक्ट्रिक एसयूवी कार की प्राइस 1.70 लाख रुपये तक बढ़ा दी है जिसके चलते इसकी कीमत 62.95 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) हो गई है। यहां देखें वोल्वो सी40 रिचार्ज में क्या कुछ मिलता है खासः

सी40 रिचार्ज वोल्वो की एक्ससी40 रिचार्ज का ही कूपे वर्जन है। इन दोनों ही कारों को एक जैसे कॉम्पेक्ट मॉड्यूलर आर्किटेक्चर (सीएमए) प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है। सी40 रिचार्ज में एक्ससी40 रिचार्ज वाली और भी काफी सारी समानताएं हैं।

केबिन में टेक्नोलॉजी की भरमार

वोल्वो की इस इलेक्ट्रिक एसयूवी में 9-इंच वर्टिकल-ओरिएंटेड टचस्क्रीन, 12.3-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, हीटिंग और कूलिंग फ़ंक्शन के साथ पावर्ड फ्रंट सीटें, डुअल-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल, 600वाट 13-स्पीकर हार्मन कार्डन साउंड सिस्टम, वायरलेस फोन चार्जिंग, एयर प्यूरीफायर और पैनोरमिक ग्लास रूफ जैसे फीचर दिए गए हैं।

पैसेंजर सुरक्षा के लिए सी40 रिचार्ज इलेक्ट्रिक कार में सात एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा, हिल-असिस्ट समेत कई एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) फीचर्स दिए गए हैं जिनमें अडेप्टिव क्रूज़ कंट्रोल, कोलिजन अवॉइडेंस और ब्लाइंड-स्पॉट डिटेक्शन शामिल हैं।

बैटरी पैक व रेंज

वोल्वो सी40 रिचार्ज ईवी में एक्ससी40 रिचार्ज की तरह ही 78 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक दिया गया है। एक्ससी40 रिचार्ज (418 किलोमीटर) के मुकाबले इसकी डब्ल्यूएलटीपी सर्टिफाइड रेंज 530 किलोमीटर है।

इस बैटरी पैक के साथ इसमें ऑल-व्हील-ड्राइव (एडब्ल्यूडी) ड्यूल मोटर सेटअप दिया गया है जिसका पावर आउटपुट 408 पीएस और 660 एनएम है। 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार को यह गाड़ी 4.7 सेकंड में पकड़ लेती है।

यह गाड़ी 150 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करती है। डीसी फ़ास्ट चार्जर के जरिये इसकी बैटरी को 10 से 80 प्रतिशत 27 मिनट में चार्ज किया जा सकता है। इस एसयूवी कार के साथ 11 किलोवाट एसी चार्जर भी मिलता है।

कंपेरिजन

वोल्वो सी40 रिचार्ज इलेक्ट्रिक कार का मुकाबला बीएमडब्ल्यू आई4, हुंडई आयोनिक 5, किया ईवी6 और वोल्वो एक्ससी 40 रिचार्ज से है।

बेस्ट इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदना है तो हमेशा ध्यान रखें ये 10 बातें, नहीं होगी पैसों की बर्बादी

एक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर को खरीदते समय नीचे बताई गई 10 चीजों को ध्यान में रखना आपके लिए फायदेमंद साबित होने वाला है। ऐसी स्पीड वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर चुनें जो आपके इच्छित उपयोग के अनुकूल हो। इसके अलावा अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर के सस्पेंशन के प्रकार पर विचार करें खासकर यदि आप असमान या उबड़-खाबड़ इलाके पर सवारी करने की योजना बना रहे हैं।

बेस्ट इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदना है तो हमेशा ध्यान रखें ये 10 बातें, नहीं होगी पैसों की बर्बादी

इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदते समय इन 10 चीजों का ध्यान रखना जरूरी है।

नई दिल्ली। मौजूदा समय में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की डिमांड लगातार बढ़ रही है। अगर आप निकट भविष्य ऐसा कोई प्रोडक्ट खरीदना चाहते हैं, तो अपने इस लेख में हम आपके 10 जरूरी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं। एक इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर को खरीदते समय इनको ध्यान में रखना आपके लिए फायदेमंद साबित होने वाला है।

रेंज और बैटरी लाइफ

अपनी सामान्य यात्रा या सवारी की दूरी पर विचार करें और ऐसी रेंज वाला स्कूटर चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को आराम से समायोजित कर सके। इसके अतिरिक्त, ये सुनिश्चित करें कि ई-स्कूटर की बैटरी लाइफ और चार्जिंग टाइम सही है।

पावर और स्पीड

ऐसी स्पीड वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर चुनें, जो आपके इच्छित उपयोग के अनुकूल हो। इलेक्ट्रिक स्कूटर की पावर और स्पीड सबसे महत्वपूर्ण चीज है।

वजन और पोर्टेबिलिटी

यदि आप इसे तरह से उपयोग करना चाहते हैं कि ये इसे यूज के हिसाब से यहां से वहां लाया जा सके, तो इसके वजन और पोर्टेबिलिटी का ध्यान रखना काफी आवश्यक है।

क्वालिटी और ड्यूरेबिलिटी

मजबूत निर्माण यह सुनिश्चित करता है कि आपका स्कूटर सुरक्षा से समझौता किए बिना दैनिक टूट-फूट, धक्कों और विभिन्न रोड कंडीशन को संभाल सकता है।

सस्पेंशन और कम्फर्ट

अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर के सस्पेंशन के प्रकार पर विचार करें, खासकर यदि आप असमान या उबड़-खाबड़ इलाके पर सवारी करने की योजना बना रहे हैं, तो इसके सस्पेंशन का खास ख्याल रखना है।

प्राइस और वारंटी

ऐसा इलेक्ट्रिक स्कूटर चुनें, जो आपके लिए एक पैसा-वसूल प्रोडक्ट साबित हो। साथ ही ये सुनिश्चित करें कि नए इलेक्ट्रिक स्कूटर पर कितनी वारंटी ऑफर की जा रही है।

पिछले महीने इन कंपनियों ने बेचीं सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियां

हाल ही में टाटा ने अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए अलग प्लेटफार्म Tata.ev की शुरुआत कर दी है. जिसके तहत कंपनी तीन इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री करती है. जिनके साथ पिछले महीने टाटा ने 4,613 इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री की. जोकि इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा है.

दूसरे नंबर पर एमजी मोटर्स है, जिसने पिछले महीने अपनी 1,150 यूनिट्स इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री की और सेकंड नंबर पर रही. एमजी भारत में अपनी दो इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री करती है. जिनमें पहली सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार एमजी कॉमेट और दूसरी एमजी जेडएस ईवी.

पिछले महीने इन कंपनियों ने बेचीं सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियां

तीसरे नंबर पर महिंद्रा एंड महिंद्रा रही, जिसने 376 यूनिट्स इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री की. महिंद्रा के पास फिलहाल इकलौती इलेक्ट्रिक कार महिंद्रा एक्सयूवी400 है.

चौथे नंबर पर हुंडई की आयोनिक 5 और कोना इलेक्ट्रिक कार रही. कंपनी इनके 182 यूनिट्स की बिक्री करने में कामयाब रही.

पांचवे नंबर पर सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री करने वाली कंपनी सिट्रोएन बनी. जिसने पिछले महीने भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कार सिट्रोएन ईसी3 के 111 यूनिट्स की बिक्री की.

Pure EV ने लॉन्च किया 201KM रेंज वाला ePluto 7G Max इलेक्ट्रिक स्कूटर, रिवर्स मोड के साथ मिलते हैं ये फीचर्स

Pure EV E Pluto 7G Max electric scooter जो एक इलेक्ट्रिक मोटर से जुड़ा है। ये एक रेट्रो थीम वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर है। इसके अलावा ईवी इसमें कई दमदार फीचर्स भी मिलते हैं।इसमें मैट ब्लैक लाल ग्रे और सफेद कलर ऑप्शन मिलता है।इस स्कूटर को पावर देने के लिए 3.5 kWh लिथियम-आयन बैटरी पैक है। जो एक इलेक्ट्रिक मोटर से जुड़ा है।

दिल्ली। भारतीय बाजार में प्योर ईवी ने 114,999 (एक्स-शोरूम) कीमत पर ईप्लूटो 7जी मैक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर को लॉन्च कर दिया है। इस स्कूटर की बुकिंग पूरे देश में ओपन है और इसकी डिलीवरी वाहन निर्माता कंपनी त्योहारी सीजन से शुरू करेगी। ये एक रेट्रो थीम वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर है। इस ईवी के लॉन्च के साथ कंपनी का लक्ष्य अपनी ब्रिकी संख्या को बढ़ाना है। चलिए आपको इसके बारे में और अधिक जानकारी देते हैं।

E Pluto 7G Max

बिल्कुल नया ePluto 7G Max इलेक्ट्रिक स्कूटर एक बार चार्ज करने पर 201 किमी की रेंज देने का दावा करती है। इसके अलावा, ईवी इसमें कई दमदार फीचर्स भी मिलते हैं। इसमें हिल-स्टार्ट असिस्ट, डाउनहिल असिस्ट, कोस्टिंग रीजेन, रिवर्स मोड, बैटरी लंबे समय तक चलने के लिए स्मार्ट एआई जैसे कई फीचर्स मिलते हैं। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में चार अलग-अलग ऑप्शन भी आते हैं। इसमें मैट ब्लैक , लाल, ग्रे और सफेद कलर ऑप्शन मिलता है।

E Pluto 7G Max बैटरी पैक

इस स्कूटर को पावर देने के लिए 3.5 kWh लिथियम-आयन बैटरी पैक है जो एक इलेक्ट्रिक मोटर से जुड़ा है। जो 3.21 bhp की पीक पावर देता है। इसमें AIS-156 प्रमाणित बैटरी पैक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से लैस स्मार्ट बैटरी मिलता है। राइडिंग एक्सपीरियंस को और बेहतर बनाने के लिए इसमें तीन राइडिंग मोड भी मिलते हैं। इसके साथ ही ये ईवी स्कूटर 60,000 किलोमीटर की मानक बैटरी वारंटी के साथ आता है और 70,000 किलोमीटर की वारंटी भी मिलती है।

E Pluto 7G Max डिजाइन

ePluto 7G Max के डिजाइन की बात करें तो इसका डिजाइन पुराने स्कूल का डिजाइन है जो आज के समय के फीचर्स से लैस है। इसमें LED लाइट्स, पूरी तरह से डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के साथ आती है। जो स्मार्ट रीजेनरेटिव तकनीक से लैस है। इतना ही नहीं इसमें रिवर्स मोड असिस्ट भी मिलता है और पार्किंग असिस्ट भी मिलता है। जो राइडर की सुविधा को बढ़ाता है।

भारत की विकास दर के बारे में आईएमएफ का अनुमान बहुत बड़ी खुशखबरी है

प्रह्लाद सबनानी

एक अन्य वैश्विक निवेश बैंक मार्गन स्टेनली द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेज वृद्धि दर के बाद पूरे वित्तीय वर्ष के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को बढ़ाया गया है।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देश आर्थिक समस्याओं से लगातार जूझ रहे हैं। साथ ही, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध अभी थमा भी नहीं था कि आतंकवादी संगठन हमास ने इजराइल पर हमला कर दिया, जिससे अब इजराइल एवं हमास के बीच युद्ध छिड़ गया है और अब तो एक तरह से लेबनान भी इस युद्ध में कूद गया है। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच, हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत में अप्रैल-जून 2023 तिमाही में उम्मीद से अधिक खपत का हवाला देते हुए वित्त-वर्ष 2023-24 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 6.1 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है। आईएमएफ की ओर से किया गया यह बदलाव भारत के आंकड़ों में किए गए कई बदलावों में सबसे नया है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्वानुमानों के अनुसार वित्त-वर्ष 2023-24 के लिए भारत की विकास दर 6.5 प्रतिशत के आसपास रह सकती है। आईएमएफ के अनुसार आने वाले समय में भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

आईएमएफ के पूर्व विश्व बैंक द्वारा भी एक ताजा प्रतिवेदन में यह अनुमान जताया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 में 6.3 प्रतिशत की दर से विकास करेगी। विकास की वजह देश में लगातार बढ़ रहा निवेश और घरेलू मांग का बढ़ना बताया गया है। विश्व बैंक की इंडिया डेवलपमेंट अपडेट (आईडीयू) प्रतिवेदन में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के मुकाबले भारतीय अर्थव्यवस्था में लचीलापन कायम है। इस कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में रफ्तार बनी रहेगी।

इसी प्रकार, आर्थिक विकास एवं सहयोग संगठन (ओईसीडी) द्वारा जारी किए गए एक अन्य प्रतिवेदन के अनुसार वर्ष 2023 में भारत की विकास दर 6.3 प्रतिशत एवं वर्ष 2024 में 6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। यह दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले सबसे अधिक वृद्धि दर रहने वाली है। जबकि इसी अवधि के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर क्रमशः 3 प्रतिशत एवं 2.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। जी-20 समूह में शामिल विकसित देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर वर्ष 2023 में 1.5 प्रतिशत और वर्ष 2024 में 1.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

एक अन्य वैश्विक निवेश बैंक मार्गन स्टेनली द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में तेज वृद्धि दर के बाद पूरे वित्तीय वर्ष के लिए भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को बढ़ाया गया है। मार्गन स्टेनली ने अब पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। इससे पहले मार्गन स्टेनली ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर को 6.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। निवेश बैंक ने कहा है कि मजबूत घरेलू मांग के चलते भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान में संशोधन किया गया है। अप्रैल-जून 2023 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही है, जो मार्गन स्टेनली के पूर्व अनुमान 7.4 प्रतिशत से अधिक है।

चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते अब विश्व के कई देशों का चीन पर विश्वास लगातार कम हो रहा है, जिसके कारण विकसित देशों की कई कम्पनियां चीन से अपनी विनिर्माण इकाईयों को अन्य देशों में स्थानांतरित कर रही हैं। इससे चीन में कई आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इस बीच भारत ने बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित करने हेतु आकर्षित करने उद्देश्य से उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना लागू की है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को अब भारत में स्थापित कर रही हैं। विशेष रूप से ऑटोमोबाइल, स्मार्ट फोन उत्पादन, फार्मा, टेक्सटाइल, सुरक्षा उपकरणों के निर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना की जा रही है। भारत की लगातार बढ़ती आर्थिक विकास दर के चलते अब भारत में बेरोजगारी की दर भी कम हो रही है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण वार्षिक प्रतिवेदन 2022-2023 के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों के लिए भारत में बेरोजगारी की दर जुलाई 2022 से जून 2023 के खंडकाल के दौरान छह वर्ष के निचले स्तर अर्थात 3.2 प्रतिशत पर आ गई है। एनएसएसओ के अनुसार, एक वर्ष पहले की समान अवधि में यह 7.6 प्रतिशत थी। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति में श्रमबल भागीदारी भी बढ़ी है। अप्रैल-जून 2023 में साप्ताहिक स्थिति में श्रमबल भागीदारी बढ़कर 48.8 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो एक वर्ष पहले 47.5 प्रतिशत थी। हर्ष का विषय यह भी है कि अब भारत में औपचारिक रोजगार की संख्या तुलनात्मक रूप से अधिक तेज गति से बढ़ रही है। औपचारिक रोजगार में कर्मचारियों को सरकारी नियमों के अंतर्गत समस्त प्रकार की सुविधाएं (प्रॉविडेंट फंड, पेंशन, मेडिकल सुविधा, आदि) नियोक्ताओं द्वारा प्रदान की जाती हैं। जबकि अनौपचारिक रोजगार की श्रेणी के कर्मचारियों को केवल मजदूरी अथवा वेतन ही प्रदान किया जाता है। इस प्रकार भारत में अब कर्मचारियों एवं मजदूरों की औसत आय में वृद्धि भी दृष्टिगोचर है।

भारत में अब तो त्यौहारी मौसम भी प्रारम्भ होने जा रहा है। नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, क्रिसमस दिवस, नव वर्ष, महाशिवरात्रि, होली, आदि जैसे बड़े त्यौहार आने वाले हैं, जिन्हें भारत के नागरिक बड़े ही उत्साह के साथ मनाते हैं एवं इन त्यौहारों का भारतीय अर्थव्यवस्था में भारी योगदान रहता है। साथ ही, भारत में अब धार्मिक एवं आध्यात्मिक पर्यटन भी बहुत तेज गति से बढ़ रहा है, जिससे निश्चित ही भारत के आर्थिक विकास को बल मिलेगा। अतः वैश्विक स्तर पर विभिन्न वित्तीय संस्थानों द्वारा भारत के आर्थिक विकास के अनुमान के संदर्भ में जारी किये जा रहे संशोधित अनुमान निश्चित ही सही साबित होंगे।

सेवानिवृत्त उप महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक

संपादक की कलम से

'महाभूकंप' की पदचाप

मंगलवार, 3 अक्तूबर, की दोपहर में अचानक धरती कांप उठी और हम लडख़ड़ा कर गिरते-गिरते बचे। तुरंत एहसास हो गया कि यह भूकंप का झटका था। सभी अपना काम यथावत छोड़ कर घर-दफ्तर के बाहर निकल गए, लेकिन उस दिन पृथ्वी के भीतर ऐसी हलचलें हुईं कि आधा घंटे के अंतराल पर दो भूकंप आए। बाद वाले भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। नेपाल का हिमालयीय क्षेत्र भूकंप का केंद्र था, लेकिन राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई शहरों ने कंपन और धक्के महसूस किए। भूकंप की यह तीव्रता भी खतरनाक और घातक है। ईश्वर की कृपा रही कि कहीं से जान-माल की त्रासद खबरें नहीं आईं। कुछ लोग नेपाल में घायल हुए हैं और एक पुराने भवन की दीवार ढही है। बहरहाल भूकंप विशेषज्ञ बार-बार आकलन करते हुए भविष्यवाणी करते रहे हैं कि ये भूकंप किसी 'महाभूकंप' की पदचाप हैं। ऐसा 'महाभूकंप' 50,100 या 200 सालों में कभी भी आ सकता है। उसके निश्चित समय का आकलन विशेषज्ञ भी नहीं कर पा रहे हैं। यदि 'महाभूकंप' आया, तो 'महाप्रलय' के हालात बनेंगे और तबाही, त्रासदियां व्यापक स्तर पर होंगी। तुर्किये के भूकंप संभावित महाप्रलय की बानगी माने जा सकते हैं। यदि भूकंप की तीव्रता 7 को पार कर गई और करीब 8 हुई, तो राजधानी दिल्ली और आसपास के क्षेत्र की आधे से अधिक इमारतें वे भूकंपीय कंपन झेल नहीं पाएंगी। इसी साल अगस्त में 6 तीव्रता से अधिक के भूकंप हमने आधा दर्जन बार महसूस किए हैं। अलबत्ता भूकंपों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सवाल यह नहीं है कि भूकंप क्यों आते हैं या पृथ्वी के भीतर की प्लेटें आपस में क्यों टकराती हैं? ये सवाल फिलहाल हमारे वैज्ञानिक, भूगर्भीय विशेषज्ञों के अनुसंधान से परे हैं, लेकिन बुनियादी चिंता यह है कि हम लगातार भूकंपों से कांपने, हिलने-डुलने के बावजूद लापरवाह हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के प्रोफेसर अनिल गुप्ता का विश्लेषण है कि राजधानी दिल्ली की सोसायटियों में बहुमंजिला इमारतें बनी हैं। छोटे स्तर पर बिल्डर भी ऐसे भवन बनवा रहे हैं। वे भवन भूकंप-रोधी तकनीक से बन रहे हैं अथवा नहीं, इमारतों की भूकंप झेलने की क्षमताएं शेष हैं या नहीं, लंबे समय तक गर्मी, धूप, बारिश सहते हुए इमारतों पर उनके क्या प्रभाव पड़े हैं अथवा इमारतों के नीचे पानी रिस रहा है, तो सीलन कितनी है, इन तमाम स्थितियों की न तो उचित और निरंतर जांच की जाती है और न ही कोई कड़े कायदे-कानून हैं। यकीनन भूकंप के झटके हमारे निर्माणों की मजबूती को कमजोर तो कर ही रहे हैं। राजधानी दिल्ली की ही चिंता नहीं है, बल्कि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, उप्र, बिहार के कई हिस्से, गुजरात का कच्छ रण, सभी पूर्वोत्तर राज्य, अंडेमान-निकोबार द्वीप समूह आदि भूकंप-संवेदी क्षेत्र हैं। इन्हें जोन 4 और 5 में वर्गीकृत किया गया है। यानी ये क्षेत्र विध्वंस और मौत के कगार पर स्थित हैं। नेपाल का 7.9 तीव्रता वाला भूकंप 2015 में हम देख-पढ़ चुके हैं। कितने लोग मारे गए थे और कितने भवन 'मलबा' हो गए थे। इतिहास में 1897 का शिलांग पठार का 8.1 तीव्रता, 1905 में कांगड़ा का 7.8 तीव्रता, बिहार-नेपाल सीमा का 1934 में 8.3 तीव्रता और 1950 में अरुणाचल-चीन सीमा पर 8.5 तीव्रता के भूकंप दर्ज हैं। उन्हें तो हमारी पीढ़ी देख-महसूस नहीं कर सकी, लेकिन ये इतिहास के सबसे घातक और भयावह भूकंप थे। अभी एक रपट के हवाले से आकलन किया गया है कि यदि 7 तीव्रता का भूकंप आता है, तो राजधानी दिल्ली की 80 फीसदी इमारतें 'असुरक्षित' हैं। भूकंप के रूप में हिमालयी पट्टी सबसे संवेदनशील मानी जाती है। इस क्षेत्र में लगभग 2400 किलोमीटर में उच्च तीव्रता के कई भूकंप आ चुके हैं। बर्बादी भी खूब हुई है। बुनियादी कारण हिमालयी थ्रस्ट है, जिसके साथ हिमालयी वेज के नीचे भारतीय प्लेट पर जोर पड़ रहा है, नतीजतन भूकंप बार-बार और अनेक आ रहे हैं। हाल ही में दावा किया गया था कि शीघ्र ही वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं कि भूकंप कब आ सकता है। कमोबेश भूकंप आने से कुछ पहले आगाह किया जा सकता है। वह अध्ययन किन आधारों पर किया जा रहा है, हम नहीं जानते। जब कुछ ठोस सामने आएगा, तो हम भी विश्लेषण करेंगे। लोगों को सचेत रहना चाहिए कि जब भूकंप एक बार आता है, तो बार-बार भी वह आ सकता है। बचाव जरूरी है।

राय

बंदरमुक्त कैसे होंगे

क्या बंदर अब भी जंगल की अमानत है या इससे इनसान का मुकाबला नहीं है, फिर भी मनुष्य के अस्तित्व के प्रश्न पर मानवता हावी रहती है। वन्य प्राणी सुरक्षा कानून ने बंदर को ऐसी प्रजाति तो नहीं माना कि इसकी ओर घातक निगाह से न देखा जाए, फिर भी बंदिश यह है कि जंगल के भीतर इससे अमंगल न किया जाए। इस बार सवाल उत्पाती बंदर को मारने की अनुमति का है, तो जिक्र हिमाचल की आबादी के सामने इससे जुड़े प्रकोप का भी है। यानी जनता चाहे तो वह उत्पाती बंदर की तरफ कोई खूंखार पत्थर उछाल दे, लेकिन धर्म की आंख से अभी तक यह निशाना नहीं बना जो गोली से ऐसी शरारतों का खात्मा कर दे। एक बार धूमल सरकार ने बाकायदा अभियान चलाया और कुछ शूटर काम पर लगाए गए, लेकिन तब के तथाकथित नेशनल मीडिया खास तौर पर एक न्यूज चैनल के हिमाचली एंकर ने इस कार्रवाई को बारूद बना दिया। जाहिर है वन विभाग एक ऐसा पहरा है जो हिमाचल के प्रति सख्तियों का थानेदार तो बनना चाहता है, लेकिन अपनी वजह से उत्पन्न मानवीय परेशानियों की जिम्मेदारी नहीं लेता। वन्य प्राणी भी इसी तरह की एक भूली सी जिम्मेदारी है। बंदर क्या जाने जंगल की सीमा। सुबह किसी की छत या पेड़ पर फल उजाड़ दे और फिर शाम को शरारत के साथ जंगल के अभयारण्य में खुद को संरक्षित कर ले। जाहिर है हिमाचल की सत्तर फीसदी भूमि पर खड़ा जंगल कब अपनी सरदारी घोषित कर दे, इसका न सामाजिक जीवन को आभास है और न ही विकास के रास्तों को पता। यह कैसा वन संरक्षण जो चैन से प्राकृतिक संसाधनों से प्रदेश की मुलाकात में बाधक बना रहता है। मूल विषय तो यह होना चाहिए कि वन्य प्राणी अगर जंगल से बाहर उत्पात मचा रहे हैं, तो यह जंगलात की नीति और प्रबंधन का दोष है। यहां बंदरों और जंगली जानवरों से हो रहे नुकसान का आकलन भी होना चाहिए ताकि इसकी भरपाई की जा सके।

आश्चर्य यह कि अगर प्रदेश को अपनी विकास की गाड़ी जंगल के रास्ते गुजारनी पड़ती है, तो इसके बदल उतनी ही तादाद में हरियाली तथा कीमत चुकानी पड़ती है, मगर जब जंगल के जानवर बस्ती में जीना और खेत में खेती हराम करते हैं, तो वन विभाग की कोई जिम्मेदारी तय नहीं होती। हमीरपुर, ऊना, कांगड़ा, मंडी, चंबा व सिरमौर के कुछ हिस्सों में जंगलों के अधीन आई जमीन सौ फीसदी इनसान की बेहतरी के लिए इस्तेमाल होनी चाहिए, लेकिन वहां के वनों ने मानव बस्तियों को घिनौने अनुभव से घेर रखा है। हमीरपुर के ही बड़सर-बिझड़ी जैसे इलाकों में वन संपदा के दंश झेलती खेती उजड़ चुकी है। किसान बंदर को जंगल की अमानत नहीं, अपनी बर्बादी का ऐसा दूत मानते हैं जिसे वन विभाग का प्रश्रय हासिल है। बंदरों की नसबंदी के जो आंकड़े दिए जाते हैं, वे प्रमाणित नहीं होते। अगर ऐसा प्रमाणित होता तो बस्ती के करीब बंदर की शुमारी कम हो जाती, परंतु सामाजिक परिदृश्य बताता है कि हर साल और साल में कई बार बंदरों की नस्ल नया व भयावह स्वरूप अख्तियार कर रही है। ऐसे में आक्रामक बंदर के खिलाफ हथियार खोलने की अनुमति भले ही प्रशंसनीय लगे, मगर इसके लिए राज्य की ओर से संकल्प जरूरी है। संकल्प वन, बागबानी, कृषि व प्रशासन के साथ मिल कर यह तय करे कि हर साल कितने खेत या बागान बंदरों से मुक्त होंगे। ये सारे विभाग किसान और बागबान के साथ-साथ आम इनसान को यह शपथपत्र दें कि कौनसा इलाका बंदर मुक्त घोषित होगा तथा इसके परिप्रेक्ष्य में कितनी सफलता अर्जित हुई, वरना चाहे कितनी भी घोषणाएं बंदरों के उत्पात के खिलाफ हो जाएं, इनसे आजिज लोगों के आंसू पोंछने का प्रमाण नहीं मिलता। सरकार को व्यापक स्तर पर बंदरों से निपटना होगा।

योगेंद्र योगी

भारत की सफल कूटनीति की वजह से बैकफुट पर चला गया है कनाडा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में बहुत नपा-तुला बयान देकर सारे पक्षों को साधने का काम किया। जयशंकर ने एक तरफ जहां अमेरिका से भारत के मजबूत होते रिश्तों की गहराई का जिक्र किया वहीं कनाडा को बेनकाब करने में कसर नहीं छोड़ी।

अमरीका के राजदूत एरिक गार्सेटी के कनाडा को लेकर भारत-अमरीका संबंध बिगडने के बारे में किसी तरह का बयान देने से इंकार करने से यह साबित हो गया है कि इस मुद्दे पर दोनों द्विपक्षीय देशों के रिश्तों में कोई असर नहीं पड़ेगा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पश्चिमी मुल्क इस मुद्दे पर भारत के साथ संबंध बिगाड़ने पर सहमत नहीं हैं। इस पूरे घटनाचक्र के बाद कनाडा पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया है। यही वजह रही कि विदेश मंत्री एस जयशंकर के अमेरिका से लौटते ही केंद्र सरकार ने कनाडा के 41 राजनायिकों को देश छोड़ने के लिए कह दिया। अब कनाडा गिड़गिड़ाने की हालत में है। कनाडा ने कहा है कि इस मुद्दे पर निजी तौर पर बातचीत की जा सकती है। भारत के इस निर्णय ने कनाडा को आखिरी छोर पर धकेल दिया। भारत ने यह साबित कर दिया कि विश्व का कोई भी देश भारत पर हावी नहीं हो सकता। इस मामले में भारत की कूटनीति कामयाब रही।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका में संयुक्त राष्ट्रसभा और एक कार्यक्रम में दो टूक बता दिया था कि कनाडा की हरकतों को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दूसरे रूप में भारत के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी करने के खिलाफ कार्रवाई करने का यह संदेश विश्व के दूसरे देशों को दिया गया। विशेषकर फाइव आई में शामिल देशों को आगाह कर दिया गया कि भारत के खिलाफ कोई बयान या कार्रवाई की परवाह नहीं है। भारत ऐसी हरकतों से अच्छी तरह से निपटना जानता है। गौरतलब है कि फाइव आई में कनाडा भी शामिल है। ये देश एक-दूसरे को इंटेलीजेंस पर आधारित सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका में बहुत नपा-तुला बयान देकर सारे पक्षों को साधने का काम किया। जयशंकर ने एक तरफ जहां अमेरिका से भारत के मजबूत होते रिश्तों की गहराई का जिक्र किया वहीं कनाडा को बेनकाब करने में कसर नहीं छोड़ी। जयशंकर ने कहा कि जी20 की सफलता अमेरिका के सहयोग के बिना संभव नहीं हो सकती थी। भारत ने सबसे शानदार जी20 सम्मेलन आयोजित किया और उन लोगों को गलत साबित कर दिया, जिन्होंने कहा था कि हम 20 देशों को एक साथ नहीं ला पाएंगे। जयशंकर ने कहा है कि भारत और अमेरिका के संबंध अब तक के उच्चतम स्तर पर हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें एक अलग स्तर तक लेकर जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं आपसे वादा कर सकता हूं कि ये संबंध चंद्रयान की तरह चंद्रमा तक, शायद उससे भी आगे तक जाएंगे। भारतीय विदेश मंत्री ने अपने संबोधन की रोशनी में विश्व को बता दिया कि इस नए दौर में भारत कितनी ऊंचाइयों तक पहुंच चुका है। भारत की तरक्की को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विदेश मंत्री ने कहा कि आज का भारत पहले के भारत से अलग है। उन्होंने कहा कि मैं आपसे कहना चाहता हूं कि मैं जिसकी बात कर रहा हूं, वह वास्तव में एक अलग भारत है। जैसा कि आपने दूसरों से सुना है। मसलन कनाडा जैसे देश यदि भारत को हल्के में लेंगे तो मुंह की खाएंगे।

विदेश मंत्री के संदेश में यह भाव जाहिर हो गया कि विश्व के अन्य देश भारत की इस तरक्की में भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं तो ठीक है, यदि कोई बाधा पहुंचाने की कोशिश करेगा तो उसकी हालत कनाडा जैसी होगी। इस मौके पर जयशंकर भारत की उपलब्धियों का बखान करने से भी नहीं चूके ताकि बदलती दुनिया में भारत का स्थान शीर्ष पर सुनिश्चित किया जा सके। एस जयशंकर ने कहा कि यह वह भारत है, जो चंद्रयान-3 मिशन को पूरा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान भारत ने दिखाया कि वह न केवल अपने लोगों की देखभाल कर सकता है, बल्कि दुनियाभर के सैंकड़ों देशों की ओर मदद का हाथ भी बढ़ा सकता है। आज भारत में सबसे तेजी से 5जी सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। अगर भारत के कदमों में आज ऊर्जा है, अगर उसकी आवाज में आत्मविश्वास है, तो इसके कई कारण हैं। यह 10 साल की कड़ी मेहनत का नतीजा है... ऐसे कई क्षेत्र हैं, जहां हमारी क्षमताएं दोगुनी या तिगुनी हो गई हैं। वैश्विक मंच से जयशंकर ने कनाडा की बखिया उधेड़ने में भी कसर बाकी नहीं रखी। न्यूयॉर्क के कार्यक्रम में जयशंकर ने कहा कि भारत ने कनाडा से कह दिया है कि ऐसा काम करना सरकार की नीति नहीं है। अगर आपके पास कुछ विशिष्ट या कुछ प्रासंगिक है तो हमें बताएं। जयशंकर ने कहा कि जहां तक अलगाववादी गतिविधि का सवाल है तो कनाडा में माहौल बहुत अनुकूल है। जयशंकर ने कहा कि हम बार-बार कनाडा से खालिस्तान समर्थकों पर कार्रवाई के लिए कहते रहे हैं। हमने कनाडा की ज़मीन से संगठित अपराध किए जाने से जुड़ी काफ़ी जानकारियां भी दी थीं। भारत सरकार ने कई लोगों के प्रत्यर्पण की अपील भी कनाडा से की थी। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी चिंता ये है कि कनाडा में राजनीतिक कारणों से अलगाववादी गतिविधियों के लिए माहौल बहुत माकूल रहा है। भारतीय राजनयिकों को धमकियां दी गईं और वाणिज्य दूतावास पर हमला किया गया। कनाडा की लाचार हालत से यह जाहिर हो चुका है कि पश्चिमी सहित अन्य देश तभी तक किसी का साथ दे सकते हैं, जब तक उनके स्वार्थ सधते रहें। यही वजह है कि जिन देशों के दम पर कनाडा भारत को चुनौती देने का दंभ भर रहा था, मौजूदा दौर में भारत की जरूरत के मद्देनजर इन देशों ने ही कनाडा को दूध से मक्खी की तरह निकाल फेंका।

अंधी जमात के वारिस

इतना वक्त गुजर गया, उन्हें कुछ पता ही नहीं चला। कल तक जो अपने आपको नवांकुर कह कर उनके गमलों में रोपित हो जाना चाहते थे, आज वह अचानक बरगद बन कर उन्हें अपने साये से महरूम कर देना चाहते हैं। कल तक जो उन्हें क्रांतिकारी कह उन पर आलोक आरोपित कर उसकी विरासत का ध्वज जो जाना चाहते थे, आज उन्हें बीते जमाने की अंधेरी परछाई कह उससे यूं अलग हुए कि जैसे चिहुंक कर कहते हो, 'छाया मत छूना मन। हो जाएगा दुख दूना मन।' वे लाख उन्हें गलत कह दें, सच सच चिल्ला दें, बस्ता ढोने से कहीं बेहतर है अपना ग्रन्थ आप रचने का दावा करना। आजकल जल्दी समझ आ जाती है, किसी ज्योति स्तम्भ से आलोकित होने की बजाय, उसके समानान्तर अपना ज्योति स्तम्भ स्थापित कर देने का शुबहा पैदा कर देना। यह सच है जो आज उनके आंगन में झूठ था, वह हमारे आंगन में सच का श्रृंगार बनेगा, तभी तो हमारी मौलिकता, हमारे अलगाव की ताजपोशी होगी। ऐसा उन्होंने सबको बता दिया। इसीलिए तो आज सहज स्वीकार से अधिक सार्थक आक्रामक नकार हो गया है। हर बदलाव के आंदोलन का सामना करने का एक ही तरीका है, पहली जितनी देर हो सके, उसके सुगबुगाते हुए वजूद की अवहेलना कर दो, फिर अपनी मूर्तिभंजक भूमिका से किसी ऐसे दरकिनार कर दिये गये तर्क के ढांचे को शिरोधार्य कर वाचाल स्वर में उसका प्रतिस्थापन कर दो। बदलाव की पहली आवाज खुद ही शर्मिन्दा होकर गूंगी हो जाएगी। आपका विकल्प के रूप में उत्पन्न झूठा सच ही बदलाव की बयार बन जायेगा। पुरोधा को नकार कर ही भविष्य पुत्र पैदा होते हैं। समय हमेशा आने वाले कल को आशीर्वाद देता है, बीते कल के लिए तो आजकल कोई विदागान भी नहीं गाता।

यह वक्तव्य अपनी दाढ़ी खुजाते एक भविष्य जीवी नागरिक अपने समकक्ष दूसरे सत्य की पैरवी करते हुए समकालीन जुझारुओं के लिए कहा था, कि जिनकी समकालीनता छीन उन्हें पिटा हुआ बोसीदा सच कह उन्हें पटरी से उतार देने में ही जैसे अपना क्रांतिबोध मारक बना रहे थे। लीजिये एक क्रांति संभाषण से बड़ा बन कर दूसरा संभाषण उससे टकराया। टकरा कर ये सब संभाषण तो अपनी सफलता की मंजिलें तय करते चल गए, नीचे धरती तल पर रह गये वे करोड़ों लोग, जिन्हें अपने कंधों पर बैठाकर इन भाषणबाजों ने उड़ान भरनी थी। उड़ान तो उनकी जारी है, परन्तु इस उडनखटोले पर सवार हैं उनके नाती-पोते, जो कभी उनके अपने आदमी थे, वही बन गये वंशज, जिनके पत्तों पर तकिया वही अब उन्हें हवा देता कह कर इधर-उधर बिखरा दिये गए। प्रगति के रास्ते पर सत्ता की दलाली के इतने टीले खड़े हो गये कि परिवर्तन की पुकार नासमझी लगने लगी है। और हर क्रांति की हुंकार बड़ी हवेलियों के द्वार से अपनी प्राण वायु के लिए कतार लगाती दिखने लगी है। निवेश के आकाशचारियों ने तरक्की के नये आसमान छू लिये, जो धनपति थे, और परिवर्तन के नाम पर मरते निवेश को जिंदगी दे देने का दावा कर रहे थे, वे तो दुगनी तरक्की कर गये और उनकी कतार से बहिष्कृत लोगों की रोजी-रोटी भी गई। उखड़े हुए लोगों के भाग्य में तो उखडना ही लिखा होता है। उनका बेकार युवा बल गांवों से उखड़ता है तो शहरों की ओर धंधा पाने का रुख करता है। कोरोना की मृत्युवाहिनी की ध्वनि ने उन्हें शहरों की गंदी बस्तियों से उखाड़ कर वापस गांवों की ओर फेंका कि जाओ एक नये कृषक भारत का निर्माण करो, लेकिन वहां तो वहीं ऊसर वीरानी थी और धनाढ्य साहूकार, दलालों और जमीदारों के पास बंधक पड़े बंटाईदार थे। उनके लिए जगह न वहां थी, न शहर में। अब तो विदेशों में दोयम दर्जे की नागरिकता का आसरा भी न रहा। इसलिए बेकारी, महंगाई और भ्रष्टाचार की स्पूतनिक गति से भटकते आंकड़े उन्हें नारों के एक अन्धे कुएं से दूसरे कुएं में डाल देते हैं। अन्धे कुओं की यह कैसी विरासत है, जो कानून बदलाव की क्रांति को एक शुबहे में बदल देती है। असल किसान क्रांति की खोज में जो देश की राजधानी पर लाखों व्यग्र लोगों का धरना लगा है, उसे भी एक शुबहे में बदलने की खोज करने वाले कम नहीं रहे।

सुरेश सेठ

पोस्ट ऑफिस स्कीम में निवेश का कर रहे हैं प्लान

जानें कौन-सी स्कीम में मिलता है ज्यादा ब्याज दर का लाभ

आज के समय में निवेश के लिए कई सारे ऑप्शन मौजूद है। अगर आप रिटर्न के साथ सुरक्षित निवेश के ऑप्शन ढूंढ रहे हैं तो आप बैंक और Post Office Scheme में निवेश कर सकते हैं। पोस्ट ऑफिस स्कीम में आपको टैक्स बेनिफिट के साथ उच्च ब्याज दर का लाभ मिलता है। आइए जानते हैं कि पोस्ट ऑफिस की किस स्कीम में उच्च ब्याज दर का लाभ मिलता है।

नई दिल्ली। आज के समय में निवेश करने के लिए कई सारे प्लान मौजूद है। निवेश करना तभी सफल माना जाता है जब इससे काफी अच्छा रिटर्न मिलता है। कई लोग शेयर मार्केट और म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) में निवेश कर सकते हैं। आपको बता दें कि इन निवेश विकल्प में जोखिम की संभावना होती है। अगर आप भी निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो आप बैंक के साथ पोस्ट ऑफिस स्कीम में भी निवेश कर सकते हैं।

पोस्ट ऑफिस में कई तरह की स्कीम है। आज हम आपको बताएंगे कि पोस्ट ऑफिस कि किस स्कीम में आपको ज्यादा रिटर्न मिलता है। इस से पहले आपको बता दें कि आप सुकन्या समृद्धि, महिला सम्मान योजना, सीनियर सिटीजन मंथली स्कीम और कई स्कीम में निवेश कर सकते हैं। हर तिमाही में इन स्कीम की ब्याज दर को बदला जाता है।

सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम (Senior Citizen Saving Scheme) में आपको 8.2 फीसदी और सुकन्या समृद्धि योजना (Sukanya Samriddhi Yojana) में 8 फीसदी का ब्याज मिलता है। इन स्कीम में सबसे ज्यादा ब्याज दर मिलता है।

टैक्स बेनिफिट

पोस्ट ऑफिस में आप लॉन्ग टर्म के साथ शॉर्ट टर्म प्लान में निवेश कर सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की कई स्कीम में टैक्स बेनिफिट का लाभ नहीं मिलता है तो कई पोस्ट ऑफिस स्कीम में आयकर अधिनियम 1961 (Income Tax Act 1961) के 80C के तहत टैक्स बेनिफिट का लाभ दिया जाता है।

निवेश की राशि

जैसे की ऊपर हमने आपको बताया कि हर तिमाही सरकार द्वारा पोस्ट ऑफिस स्कीम में ब्याज दरों में बदलाव किया जाता है। ऐसे में आपको निवेश करने से पहले यह जरूर जान लेना चाहिए कि स्कीम का टेन्योर (Tenure) कितना है और उसमें टैक्स बेनिफिट (Tax Benefit) का लाभ मिलता है या नहीं। इसके अलावा टीडीएस डिडक्शन (TDS Deduction) के बारे में भी जरूर जानें।

अगस्त में 10.3 प्रतिशत रहा औद्योगिक उत्पादन, NSO ने जारी किए आंकड़े

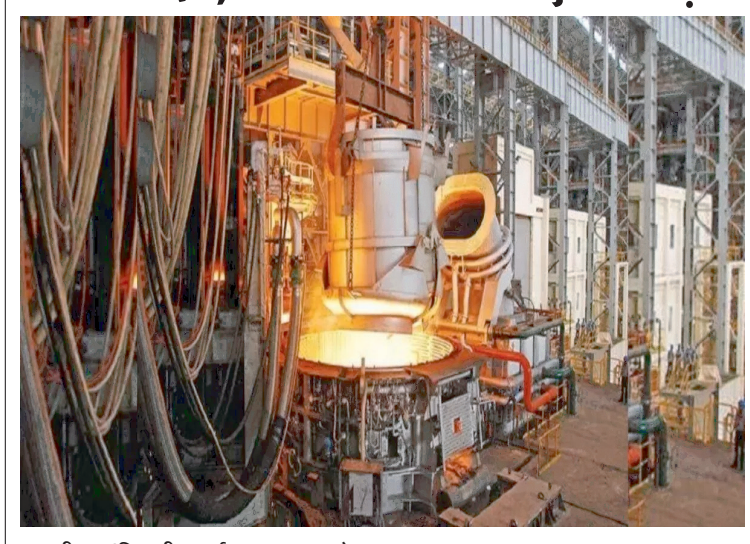

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अगस्त में भारत का औद्योगिक उत्पादन 10.3 प्रतिशत बढ़ा। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के अनुसार औद्योगिक उत्पादन की हालिया वृद्धि दर पिछले 14 महीनों में सबसे अधिक थी। 9.1 प्रतिशत पर औद्योगिक उत्पादन अनुमान से काफी अधिक रहा है। इसके अलावा बिजली और माइनिंग उत्पादन भी बढ़ा है।

नई दिल्ली: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में भारत का औद्योगिक उत्पादन 10.3 प्रतिशत बढ़ा।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के अनुसार नवीनतम औद्योगिक उत्पादन में हुई बढ़ोतरी का आंकड़ा 14 महीने में सबसे ज्यादा है। औद्योगिक उत्पादन अपने 9.1 प्रतिशत के अनुमान से काफी ज्यादा है।

जुलाई के आंकड़ो में हुआ संशोधन

जुलाई में औद्योगिक विकास 5.7 प्रतिशत पर आ गई थी जो अब संशोधित होकर 6.0 प्रतिशत हो गई है। आपको बता दें कि अगस्त 2022 में औद्योगिक वृद्धि -0.7 प्रतिशत थी।

9 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का उत्पादन

एनएसओ द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2023 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 9.3 प्रतिशत बढ़ गया। इसी दौरान माइनिंग उत्पादन 12.3 प्रतिशत बढ़ा तो वहीं अगस्त 2023 में बिजली उत्पादन 15.3 प्रतिशत बढ़ा।

दूसरी तिमाही में HCL Tech का प्रॉफिट में हुई करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी, परिचालन से 8 प्रतिशत बढ़ा राजस्व

देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में से एक एचसीएल टेक ने आज वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के लिए अपने नतीजों की घोषणा की। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 9.9 फीसदी बढ़कर 3833 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल की समान अवधि में कंपनी का मुनाफा 3487 करोड़ रुपये था।

नई दिल्ली: देश की बड़ी आईटी कंपनियों में से एक एचसीएल टेक (HCL Technologies) ने आज अपने वित्त वर्ष 24 के दूसरे तिमाही के नतीजों को जारी कर दिया है।

दूसरी तिमाही (जुलाई-सिंतबर) में कंपनी का कंसोलिडेट नेट प्रॉफिट 9.9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,833 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का प्रॉफिट 3,487 करोड़ था।

परिचालन से 8 प्रतिशत बढ़ा राजस्व

बीएसई फाइलिंग के अनुसार, समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का परिचालन से कंसोलिडेट राजस्व सितंबर 2022 तिमाही में 24,686 करोड़ रुपये से 8 प्रतिशत बढ़कर 26,672 करोड़ रुपये हो गया।

इससे पहले आज इंफोसिस ने अपने तिमाही नतीजों की घोषणा की थी तो वहीं कल टीसीएस ने भी दूसरे तिमाही के नतीजों को जारी किया था।

फेस्टिव सीजन से पहले सोने और चांदी की कीमतों में तेजी, जानें गोल्ड और सिल्वर के लेटेस्ट दाम

फेस्टिव सीजन में कई लोग गोल्ड खरीदना शुभ मानते हैं। अगर आप भी सोने या चांदी खरीदना चाहते हैं तो आपको एक बार उनके ताजा रेट्स के बारे में जरूर जान लेना चाहिए। आपको बता दें कि हर शहर में इनकी कीमतों में बदलाव देखने को मिलता है। आइए जानते हैं कि आज आपके शहर में सोने-चांदी के भाव क्या है?

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में आज सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। अगर आप भी इस फेस्टिव सीजन गोल्ड या सिल्वर खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो आपको जरूर जानना चाहिए कि आज का आपके शहर में सोने और चांदी का क्या भाव हैं?

महंगा हुआ सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को सोने की कीमतें 350 रुपये बढ़कर 59,050 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले कारोबार में पीली धातु यानी सोना 58,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

विदेशी बाजारों में सकारात्मक कारोबार के बाद गुरुवार को सोने की कीमतों में तेजी आई। 10 साल के अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड के पिछले हफ्ते पहुंचे 16 साल के उच्चतम स्तर से पीछे हटने के बाद इस महीने सोना उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, बाजार का अनुमान है कि फेडरल रिजर्व इस साल के लिए ब्याज दरों में बढ़ोतरी के साथ समाप्त हो सकता है।

सौमिल गांधी, वरिष्ठ कमोडिटी विश्लेषक

एचडीएफसी सिक्योरिटीज

क्या है चांदी का भाव

आज चांदी की कीमत 564 रुपये बढ़कर 69,990 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 564 रुपये या 0.81 प्रतिशत बढ़कर 25,072 लॉट में 69,990 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

इंटरनेशनल मार्केट में सोने-चांदी के भाव

वैश्विक बाजारों में सोना 1,880 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस और चांदी 22.15 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर ऊंचे भाव पर था।

क्या है आपके शहर में 10 ग्राम सोने का भाव?

गुड रिटर्न के मुताबिक आज विभिन्न शहरों में गोल्ड की कीमत कुछ इस प्रकार हैं:

दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,060 रुपये है।

नोएडा में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,060 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 58,910 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,070 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 58,910 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 58,910 रुपये है।

केरल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 58,910 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 58,960 रुपये है।

सूरत में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 58,960 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,060 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,060 रुपये है।

इंफोसिस ने जारी किया Q2 के नतीजे, 3 प्रतिशत से अधिक बढ़ा प्रॉफिट, डिविडेंड का भी किया एलान

देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस ने आज वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही के लिए अपने वित्तीय नतीजों की घोषणा की। नतीजों के आधार पर सितंबर 2023 तिमाही के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 3.1 प्रतिशत बढ़कर 6215 करोड़ रुपये हो गया। देश के आईटी सेक्टर में इंफोसिस की टक्कर टीसीएस विप्रो और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियों के साथ होती है।

नई दिल्ली: देश की दूसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी इंफोसिस (Infosys) ने आज चालू वित्त वर्ष 24 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं।

नतीजों के मुताबिक सितंबर 2023 तिमाही के लिए इंफोसिस का नेट प्रॉफिट साल दर साल 3.1 प्रतिशत बढ़कर 6,215 करोड़ रुपये हो गया है। एक साल पहले की तिमाही में कंपनी की कमाई 6,026 करोड़ रुपये थी।

6.7 फीसदी बढ़ा कंपनी का राजस्व

दूसरी तिमाही (जुलाई-सिंतबर) में कंपनी का राजस्व 6.7 प्रतिशत बढ़कर 38,994 करोड़ रुपये हो गया। भारत में टीसीएस, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और अन्य के साथ आईटी सेवा बाजार में इंफोसिस की टक्कर होती है।

कंपनी के सीईओ और एमडी सलिल पारेख ने कहा कि सभी कार्यक्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में दूसरी तिमाही में हमने सबसे अधिक 7.7 अरब डालर के सौदे किएयह कंपनी की ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों के लिए प्रासंगिक बने रहने और आगे बढ़ने की क्षमता का एक प्रमाण है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आय वृद्धि अनुमान को 1-3.5 प्रतिशत से घटाकर 1 से 2.5 प्रतिशत कर दिया है, जबकि परिचालन मार्जिन अनुमान को 20-22 प्रतिशत पर बरकरार रखा है।

डिविडेंड का किया एलान

नतीजों की घोषणा के साथ ही कंपनी ने डिविडेंड का भी एलान किया है। इंफोसिस ने 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 18 रुपये का अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की है।

कंपनी ने अंतरिम लाभांश के लिए रिकॉर्ड डेट 25 अक्टूबर, 2023 और पेमेंट डेट 6 नवंबर, 2023 को तय किया है।

3 फीसदी तक टूटे शेयर

आज कारोबारी समय तक दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले कंपनी के शेयरों में तीन फीसदी तक की गिरावट आई है। एनएसई पर, इंफोसिस के शेयर 2.82 प्रतिशत गिरकर 1,452.30 रुपये पर बंद हुए, जबकि बीएसई पर 1.95 प्रतिशत गिरकर 1,464.55 रुपये पर बंद हुए।

'गंगाजल' पर नहीं लगता है GST, CBIC ने कहा- जीएसटी के लागू होने के बाद से ही पूजा सामग्री हैं टैक्स से बाहर

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने आज स्पष्ट किया कि गंगाजल जीएसटी के अधीन नहीं है। पूजा सामग्री को जीएसटी से मुक्त रखा गया है। सीबीआईसी ने यह भी कहा कि देश में जीएसटी लागू होने के बाद से पूजा सामग्री पर कोई जीएसटी नहीं लगाया गया है। सीबीआईसी ने कहा कि जीएसटी की 14वीं और 15वीं बैठक में यह फैसला लिया गया था।

नई दिल्ली: केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने आज स्पष्ट करते हुए साफ शब्दों में कहा कि 'गंगाजल' पर किसी भी प्रकार का कोई जीएसटी नहीं लगाया जाता है। पूजा सामग्रियों को जीएसटी के तहत छूट दी गई है।

साथ ही सीबीआईसी ने यह भी कहा है कि जब से जीएसटी को देश में लागू किया गया है तब से पूजा सामग्रियों पर किसी भी प्रकार का कोई जीएसटी नहीं लगता।

सीबीआईसी ने यह भी कहा कि 18-19 मई 2017 को हुई जीएसटी परिषद की 14वीं बैठक और 3 जून 2017 को हुई जीएसटी परिषद की 15वीं बैठक में पूजा सामग्री पर जीएसटी पर विस्तार से चर्चा की गई थी जिसमें पूजा सामग्रियों को जीएसटी से बाहर रखने का फैसला लिया गया था।

कांग्रेस ने उठाया था सवाल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स (X) पर एक पोस्ट में कहा था कि मोदी सरकार ने गंगाजल पर 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाया है जो लूट और पाखंड की पराकाष्ठा है।

कांग्रेस द्वारा गंगाजल पर 18 प्रतिशत टैक्स लगाने के आरोप पर सफाई देते हुए आज सीबीआईसी ने साफ शब्दों में कहा कि गंगाजल और पूजा सामग्रियों पर जीएसटी नहीं लगया जाता है।

तीन महीने के निचले स्तर पर महंगाई, सितंबर में 5.02 प्रतिशत रही खुदरा मुद्रास्फीति

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में महंगाई दर तीन महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की गिरती कीमतों के कारण है। सितंबर में खुदरा महंगाई दर गिरकर 5.02 फीसदी पर आ गई है जो आरबीआई के 6 फीसदी के अनुमान से कम है। पिछले दो महीने से महंगाई 6 प्रतिशत से उपर बनी हुई थी।

नई दिल्ली: आज जारी सरकारी आंकड़ो के मुताबिक देश में महंगाई अपने तीन महीने के नीचले स्तर पर पहुंच गई है। यह कमी मुख्य रुप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी के कारण आई है। सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 5.02 प्रतिशत पर आ गई है।

आरबीआई के अनुमान स्तर के अंदर महंगाई

आपको बता दें कि सितंबर में रिटेल मुद्रास्फीति आरबीआई ने अनुमान के स्तर 6 प्रतिशत से नीचे आ गई है। इससे पहले मुद्रास्फिति जुलाई में 7.4 प्रतिशत और अगस्त में 6.8 प्रतिशत थी। इससे पहले जून के महीने में महंगाई में कमी देखी गई थी जब खुदरा मुद्रास्फीति 4.87 प्रतिशत थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में खाद्य पदार्थों की महंगाई दर पिछले महीने के 9.94 फीसदी से घटकर 6.56 फीसदी पर आ गई है।

एनसीसी का मुख्य उद्देश्य संगठित एवं प्रशिक्षित युवाओं का मानव संसाधन तैयार करना है- एयर कमोडोर सत्येन्द्र शर्मा

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। स्थानीय पांच राज स्वतंत्र कंपनी एनसीसी भीलवाड़ा में गुरुवार को राजस्थान एनसीसी के डिप्टी डायरेक्टर जनरल एयर कमोडोर सत्येंद्र शर्मा ने निरीक्षण किया तथा ट्रेनिंग एवं प्रशिक्षण गतिविधियों को देखा ।एनसीसी भीलवाड़ा के यूनिट कमान अधिकारी कर्नल राजेंद्र शर्मा ने बताया कि डीडीजी सत्येंद्र शर्मा तथा उदयपुर ग्रुप के ग्रुप कमांडर कर्नल भास्कर चक्रवर्ती के भीलवाड़ा एनसीसी निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम एनसीसी कैडेट द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उसके बाद एनसीसी की ट्रेनिंग ,प्रशिक्षण, एनसीसी पाठ्यक्रम, ऑब्सटेकल कोर्स को डीडीजी द्वारा बारीकी से निरीक्षण किया गया ।एनसीसी कैडेट से रूबरू होते हुए डीडीजी सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि एनसीसी यूनिट भीलवाड़ा का एनसीसी कैडेट का जोश एवं इस तरह का ट्रेनिंग एवं ऑब्सटेकल कोर्स पूरे राजस्थान की एनसीसी यूनिट में कहीं नहीं है । डीडीजी ने बताया कि शीघ्र ही भीलवाड़ा एनसीसी यूनिट में राजस्थान के विभिन्न शहरों के एनसीसी कैडेट भी ट्रेनिंग हम प्रशिक्षण लेने के लिए भेजे जाएंगे। डीडीजी सत्येंद्र शर्मा एवं ग्रुप कमांडर कर्नल भास्कर चक्रवर्ती द्वारा यूनिट की गतिविधियों को सराहा गया तथा कैडेट को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। भीलवाड़ा 5राज यूनिट एनसीसी के कैडेट यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम, थल सेना कैंप, आरडीसी आदि राष्ट्रीय स्तर पर जा चुके है ।डीडीजी निरीक्षण के दौरान लेफ्टीनेंट राजकुमार जैन, लेफ्टीनेंट ताबिश अली, मोना चुंडावत, अनीमा टेटे, सूबेदार जसपाल शर्मा उपस्थित थे।

धर्मेन्द्र कुमार मौर्य, अजय कुमार जायसवाल, केशव प्रसाद कुर्मी, को मिली पीएचडी की उपाधि

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा। स्थानीय संगम विश्वविद्यालय में कृषि संकाय के शस्य विज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक धर्मेन्द्र कुमार मौर्य ने "गेहूं की फसल में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन और बुआई की विभिन्न तिथियों पर अध्ययन" विषय पर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। इस शोध से गेहूँ की फसल में हो रहे अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग को एकीकृत पोषक

तत्व प्रबंधन द्वारा कम किया जा सकता है, जिससे गेहूँ के पोषकमान में वृद्धि होगी तथा हानिकारक रसायनो के अवशिष्ट की मात्रा कम होगी परिणाम स्वरूप मानव स्वास्थ्य पर रसायनों का दुष्प्रभाव भी कम पड़ेगा। यह उपाधि शोध पर्यवेक्षक डॉ. हेमराज मीणा के कुशल निर्देशन में पूर्ण हुई। सहायक प्राध्यापक अजय कुमार जायसवाल ने "टमाटर के उकठा रोग कारक फ्यूसेरियम ऑक्सीस्पोरम एफ. एसपी. लाइकोपर्सिकी की परिवर्तनशीलता पर समर्थ जैव – कारको, वानस्पतिको एवं उनके मिश्रणों के प्रभाव का अध्ययन" विषय पर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। इस शोध से टमाटर की फसल में उकठा रोग से किसानो को होने वाले नुकसान को आगामी प्रबंधन से कम किया जा सकता है। यह उपाधि शोध पर्यवेक्षक डीन प्रो. (डॉ.) एस. पी. टेलर एवं सह-शोध पर्यवेक्षक डॉ. मोहम्मद फैजल के कुशल निर्देशन में पूर्ण हुई। कृषि संकाय के मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन विभाग के सहायक प्राध्यापक केशव प्रसाद कुर्मी ने "औद्योगिक अपशिष्ट का मिट्टी के गुणों और फसलों के उत्पादन पर प्रभाव" विषय पर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। इस शोध से उद्योगों से निकालने वाले अपशिष्ट जल को उपचारित कर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन द्वारा फसलों में सिंचाई के लिए उपयोग करने पर भूमिगत जल प्रदूषण एवं मिट्टी पर पड़ने वाले प्रभाव को कम किया जा सकता है। यह उपाधि शोध पर्यवेक्षक डीन प्रो. (डॉ.) एस. पी. टेलर एवं सह-शोध पर्यवेक्षक डॉ. सत्यवीर सिंह के कुशल निर्देशन में पूर्ण हुई। इस अवसर पर संगम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ.) करुणेश सक्सेना, प्रो-वाइस चांसलर प्रो.(डॉ.) मानस रंजन पाणिग्रही, रजिस्ट्रार प्रो.(डॉ.) राजीव मेहता, आइक्यूएसी निदेशक डॉ. प्रीती मेहता एवं रिसर्च डीन प्रो.(डॉ.) राकेश भण्डारी ने शोधार्थी के उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

पिता की मौत के बाद बेसहारा हुआ परिवार, भाई-बहन घर-घर जाकर शुद्धिकरण के लिए मांग रहे मदद । जीबन एक संघर्ष

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा , भुबानेश्वर : एक दुखद संघर्ष जीबन ओड़िशा की बालेश्वर जिले पहाणा गांव की कहानी ।बेटे-बेटियां अपने पिता की शुद्धि के लिए घर-घर जाकर मदद मांग रहे हैं ।गरीबों को हमेशा कष्ट होता है. ज़िंदगी एक संघर्ष है। अभाव मनुष्य को असहाय बना देता है। बालेश्वर जिले के बस्ता पहाणा गांव के रवीन्द्र मुखी के बेटे और बेटियां जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अपने पिता की शुद्धि के लिए घर-घर जाकर भीख मांग रहा है। इस दर्दनाक दृश्य ने सबको को झकझोर कर रख दिया। 7 दिन पहले ही अज्ञात बीमारी के कारण रवींद्र की मौत हो गई। अब लड़के द्वारा अपने पिता की शुद्धि के लिए घर-घर जाकर भीख मांगने की घटना ने सबको परेशान कर दिया है. पिता की मृत्यु के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण घर में चूल्हा नहीं जला। भुखमरी के कारण परिवार टूटी झोपड़ियों में रह गए हैं। भाई-बहन को अपने पिता की शुद्धि के लिए घर-घर भीख मांगकर पैसे इकट्ठा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उनका दुःख देखकर पडोसन भी रो रही है। हर किसी की आंखों में आंसू हैं और वह मदद की गुहार लगा रहे हैं। जमींदार न होने के कारण रवीन्द्र को अपने परिवार का पालन-पोषण कठिनाई से करना पड़ता था। कुछ साल पहले रवींद्र का बड़ा बेटा बीमार पड़ गया और इलाज के अभाव में उसकी मौत हो गई. 7 दिन पहले अज्ञात बीमारी से पीड़ित होकर रवींद्र की भी मौत हो गई। घर पर अब दो छोटे भाई-बहन, रवीन्द्र की पत्नी और बूढ़ी मां किस्मत और भगवान के भरोसे हैं। पिता की मौत के बाद घर में खाने के लिए अनाज नहीं है. टूटी झोपड़ी में गरीब परिवार भूख से मर रहा है। ऐसे में रवीन्द्र की शुद्धि के लिए पैसा कहां से आएगा? परिवार में एकमात्र कमाने वाले रवीन्द्र की मौत के बाद मानों परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। खेलने और पढ़ने की उम्र में भाई-बहन ने अपने पिता की शुद्धि के लिए भीख मांगना शुरू कर दिया है। भाई-बहनों का कष्ट देखकर कौन चावल देता है और कौन पैसा देता है। मृतक रवीन्द्र की पत्नी भी बीमार है और चलने-फिरने में असमर्थ है जबकि उसकी बूढ़ी मां भी बुढ़ापे की बीमारी से पीड़ित है। ऐसे में परिवार का बोझ इन दोनों छोटे भाई-बहनों के सिर पर आ गया है. यदि सरकार इस परिवार की समस्याओं पर ध्यान दे तो परिवार के चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी। दोनों बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो सके। खाली सरकार इस परिवार की मदद के लिए हाथ क्यों बढ़ाए अगर कोई सहानुभूति रखने वाला व्यक्ति चाहे तो मदत कर सकते हैं।

बालिका में चूरू और बालक वर्ग में दोसा रहा विजेता

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। जानकारी देते हुवे फेडरेशन के प्रवक्ता नारायण भदाला ने बताया की सत्य नारायण भदादा की स्मृति में आयोजित 23 वी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आज तीसरे दिन समापन हुवा, समापन में मुख्यअतिथि सांसद सुभाष बहेडिया और अध्यक्षता विट्ठल शंकर अवस्थी, पूर्व पालिका अध्यक्ष राजकुमार आंचलिया वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद तिवारी हेमेंद्र शर्मा रहे।

जानकारी देते हुवे फेडरेशन के सचिव इस्माइल रंगरेज ने बताया की पहला फाइनल बालिका वर्ग में बाड़मेर और चूरू के बीच हुवा जिसमे चूरू 7 विकेट से विजेता रही, दूसरा फाइनल मुकाबला दोसा और बीकानेर के बीच हुवा जिसमे दोसा 4 रन से जीत दर्ज की। राज्य स्तर पर बालक व बालिका वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाली सभी टीमों को मोमेंटो, वाटर बोतल, 3100 रुपए का नकद इनाम राशि दी गई। आयोजन कर्ता द्वारा राजस्थान फेडरेशन के सभी पाधाधिकार्यो को पारितोषित दिया गया। फेडरेशन द्वारा सफल आयोजन के लिए दीपक भदादा व जयप्रकाश भदादा को स्मृति चिन्ह भेंट करके स्वागत किया गया। फेडरेशन के अध्यक्ष महेश पुरी ने अगले वर्ष राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता को भीलवाड़ा में करने के लिए फेडरेशन से चर्चा की ।समापन में मनीष भदादा, कपिल समदानी, गिरधारी बिनवानी,शिव गुर्जर, अनिल माली, बलवीर गुर्जर, कैलाश चौधरी, अजय चतुर्वेदी, अनिल डीडवानिया, वैभव अग्रवाल, राजेंद्र व्यास, पवन पुरी, राजेश गिरी सहित टीम सुभाष क्लब के सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शनिश्चिरी अमावस्या पर गांधीनगर शनि मंदिर पर लगेगा151 किलो खीर का भोग

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। गांधीनगर स्थित शनि देव मंदिर पर शनिचरी अमावस्या के उपलक्ष्य पर मंदिर में फूलों की साज सजावट व विद्युत साज सजावट की जाएगी। महंत पंडित गुलाबचंद जोशी ने बताया कि शनिचरी अमावस्या के पावन पर्व पर भक्तों का सैलाब उम्र पड़ता है, बड़ी मुश्किल से यह योग बन पाता है और यह योगबहुत ही शुभ है, इस दिन पूजा अर्चना दान पुण्य करने से पितृ दोष भार हल्का होता है। शनि देव की कृपा बनी रहती है और ठीक 12.00 महाआरती के उपरांत 151 किलो खीर के प्रसाद का वितरण भी किया जाएगा ।समिति अध्यक्ष हीरा जोशी व व्यवस्थापक रवि जोशी ने बताया कि अमावस्या हेतु व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई।

महावीर इंटरनेशनल मीरा ने महिलाओं को किया जागरूक निःशुल्क बाटे सेनेट्री नेपकिन

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। मीरा अध्यक्ष मंजु बापना ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजु पोखरना ज़ोनचेयर पर्सन मंजु खटवड़ व सेक्टर 60 वार्ड की पार्षद रेखा पूरी के सानिध्य में घरों में काम करने वाली महिलाओं को 60 सेनेट्री नैपकिन दिये गये ।जोन सचिव चंद्रा रांका ने सभी महिलाओं को समझाते हुए कहा "झिझक छोड़ो चुपी तोड़ो खुल कर बोलो" महावीर इंटरनेशनल के नारे के साथ मीरा केन्द्र में अपेक्स से आये हुए सेनेट्री नैपकिन वितरण किए जा रहे है, सभी महिलाओं को स्वच्छता के बारे में समझाते हुए कहा की घर की महिला स्वास्थ्य रहेगी तो पूरे परिवार की देखभाल कर सकेगी, सेनेट्री नैपकिन लेकर सभी महिलाओं के चहरे पर ख़ुशी नजर आ रही थी। कार्यक्रम में मंजु पोखरना, मंजु खटवड़, चन्द्रा रांका, पार्षद रेखा पूरी, डिप्टी डायरेक्टर अर्चना सोनी, सरोज डाड, कविता शाह, वंदना माथुर आदि उपस्थित थी।

अधिकारियों से मासिक पेंशनर अदालत स्थापित करने की मांग की

अमृतसर (साहिल बेरी) आज दिनांक 11-10-23 को ऑल कैडर पेंशनर्स एसोसिएशन पावरकॉम के राज्य नेतृत्व ने नवनियुक्त चीफ इंजीनियर बॉर्डर जॉन सतिंदर शर्मा को सम्मानित किया इस अवसर पर राज्य नेता जेपी सिंह औलख, हरभजन सिंह झंझोटी, जतिंदर लखनपाल, प्रमोद कुमार, रतन सिंह घई। इस अवसर पर नेतृत्व ने अधिकारियों से मासिक पेंशनर अदालत स्थापित करने की मांग की, जिस पर मुख्य अभियंता ने सहमति व्यक्त की और आश्वासन दिया कि पेंशनरों की अन्य मांगों को भी जल्द ही स्वीकार कर लिया जाएगा.

पूरे पंजाब में बनेगी 'विलेज डिफेंस' कमेटियां -राज्यपाल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के समन्वय से 50 प्रतिशत बढ़ी है नशे की बरामदगी -गलत तत्वों के साथ गठजोड़ करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को नहीं बख्शेंगे राज्यपाल-डीजीपी

अनूप कुमार शर्मा

अमृतसर (साहिल बेरी)। गुरु नानक देव विश्वविद्यालय में पंजाब पुलिस सहित देश की सुरक्षा में लगी सभी एजेंसियों के पंजाब प्रमुखों के साथ एक विस्तृत बैठक करने के बाद राज्यपाल पंजाब श्री बनवारी लाल पुरोहित ने कहा कि बेहतर समन्वय के कारण राज्य में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने नशे की बरामदगी 50 फीसदी तक बढ़ा दी है प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब ड्रोन से तस्करी की बड़ी चुनौती सामने आई है, जिससे निपटने के लिए सीमा पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाने की तैयारी की जा रही है. उन्होंने कहा कि सीमा के 15 किलोमीटर के दायरे में बनाई गई सुरक्षा समितियों की सफलता के बाद मुख्य सचिव पंजाब को पूरे राज्य में ऐसी नागरिक सुरक्षा समितियां बनाने के निर्देश दिए गए हैं, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है. उन्होंने कहा कि पंजाब के सभी गांवों में 21 सदस्यीय सुरक्षा समितियां बनाई जाएंगी, जो नशे और अवैध खनन के खात्मे के लिए काम करेंगी। इस मौके पर एक सवाल के जवाब में डीजीपी पंजाब श्री गौरव यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री

स. . भगवंत सिंह मान ने 15 अगस्त 2024 तक नशा खत्म करने की घोषणा की है और हम इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशे के मुद्दे पर हम जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रहे हैं और जो भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी नशे के सौदागरों से संपर्क में दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ उसी तरह कार्रवाई की जाएगी, जैसे अपराधियों के साथ की जाती है. उन्होंने कहा कि पुलिस पर नशे और अवैध खनन को खत्म करने का कोई दबाव नहीं है. इस अवसर पर मुख्य सचिव पंजाब श्री अनुराग वर्मा, विशेष मुख्य सचिव श्री सर्वजीत सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री के शिव प्रसाद, पुलिस कमिश्नर एस. नौनिहाल सिंह, डीआइजी श्री नरेंद्र भार्गव, कुलपति डॉ. जसपाल सिंह संधू, उपायुक्त श्री अमित तलवार, एसएसपी श्री सतिंदर सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023